MPHIN/2021/83938

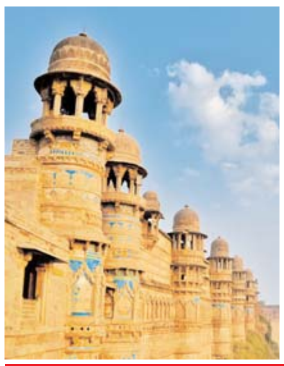

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 356 | ग्वालियर, 23 अक्टुबर सोमवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

समाचार

रिश्तों में बर्फ : भारत कनाडा के बिगड़ते संबंध

विदेश मंत्रालय के एक ताजा कदम के तहत भारत में कनाडाई राजनयिकों की संख्या 62 से घटाकर 21 किये जाने के बाद, भारत और कनाडा के रिश्ते और भी ठंडेपन की ओर बढ़ चले हैं। कनाडाई नागरिक और खालिस्तानी एक्टिविस्ट हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मामले में ट्रूडो सरकार द्वारा भारत की भूमिका होने का आरोप लगाये जाने से उपजे गुस्से में, नयी दिल्ली ने पिछले महीने एक दूसरे के दूतावासों में राजनयिकों की संख्या बराबर करने की मांग की थी, फिर भी यह माना गया कि मामला शांत हो गया है। यह भी उम्मीद लगायी गयी थी कि रिश्तों में सुधार के लिए कूटनीति खामोशी से अपना काम कर रही है। हालांकि, कनाडा, बिना कोई और सबूत पेश किये, यह कहना जारी रखे हुए है कि अनाम भारतीय अधिकारियों के खिलाफ उसकी जांच में भारत को सहयोग करना चाहिए, जबकि भारत जवाबी हमले में उठाये गये अपने कदमों पर कायम है। पिछले महीने, सुरक्षा एजेंसियों से एक-दूसरे के राजनयिकों को जैसे-को-तैसा शैली में निष्कासित करने के बाद, मोदी सरकार ने सभी कनाडाई नागरिकों के वीजा निलंबित कर दिए और कनाडा के राजनयिकों की संख्या में कटौती की मांग की। इस हफ्ते, भारत ने इस संख्या के दो-तिहाई को 31 अक्टूबर तक हटाने की चेतावनी जारी की। कहा गया कि इस तारीख के बाद भारत उनकी राजनयिक उन्मुक्ति (डिप्लोमेटिक इम्युनिटी) को एकतरफा ढंग से हटा लेगा। नतीजतन, कनाडा के विदेश मंत्रालय ने अपने राजनयिकों में से 41 को और उनके परिवारों को आनन-फानन में हटा लिया। हालांकि, उसने भारत की मांग को वियना कन्वेंशन समेत अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करार दिया। इसके जवाब में भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि कन्वेंशन का अनुच्छेद 11.1 भारत को 'किसी मिशन का आकार सीमा के भीतर रखने को आवश्यक बनाने' का अधिकार प्रदान करता है। कनाडा ने भी यह सूचित किया है कि अभी स्टाफ की कमी को देखते हुए, वाणिज्य दूतावास की 'व्यक्तिगत उपस्थिति वाली' वीजा सेवाएं उपलब्ध नहीं रहेंगी। कनाडा के आप्रवासन मंत्री ने कहा है कि भारत के कदमों से निज्जर मामले में कनाडा की कार्रवाई रुकेगी नहीं।यह घटनाक्रम दिखाता है कि स्थिति को कम तनावपूर्ण बनाने के लिए अगर अतीत में कोई कूटनीतिक प्रयास किये गये हैं, तो वे निष्फल रहे हैं। मोदी-ट्रूडो और दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठकों में निज्जर मामले पर बातचीत हुई थी। इसके अलावा, खबरों के मुताबिक, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और कनाडाई विदेश मंत्री मेलेनी जोली ने अमेरिका में, संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान अलग से, मुलाकात की थी। लेकिन ऐसा लगता है कि इनमें से कोई भी कोशिश घटनाक्रमों की दिशा नहीं मोड़ सकी। कनाडा के 'फाइव आइज' सहयोगियों द्वारा मध्यस्थता की कोशिश भी काम नहीं आयी है। इन सहयोगियों ने कनाडा के दावों का समर्थन तो किया है, लेकिन साथ ही भारत के साथ अपने रिश्तों को भी संभाला है। ब्रिटेन, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के नेताओं की यात्रा संभावित है, जो नयी दिल्ली को आश्वस्त करेगी। फिलहाल कूटनीतिक विकल्प खत्म हो चुके हैं। उम्मीद की जाती है कि चिंतन की एक अवधि से इस गतिरोध को तोड़ने का कोई नया तरीका निकलेगा। तब तक छात्र, पर्यटक और कारोबारी खमियाजा भुगतेंगे।

पुलिस स्मृति दिवस पर शामिल हुए सीएम धामी, शहीदों के परिजनों को किया सम्मानित

नई दिल्ली। पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर देहरादून में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस मौके पर राज्य के शहीद पुलिस जवानों के परिजनों को सम्मानित किया गया. ये कार्यक्रम देहरादून पुलिस लाईन में आयोजिक किया गया था. इस मौके पर राज्य के सीएम पुष्कर सिंह धामी शामिल हुए. इस दौरान उन्होंने शहीद स्मारक पर पुलिस और अर्ध सैन्य बलों को पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, मेयर सुनील उनियाल गामा, विधायक खजान दास, विनोद चमोली, मुन्ना सिंह चौहान, सविता कपूर, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, पूर्व पुलिस महानिदेशक अनिल रतू?ी एवं पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

सीएम ने चार घोषणाएं की-पुलिस स्मृति दिवस पर मुख्यमंत्री धामी ने शहीद सैनिकों के परिवारजनों को सम्मानित किया. इसके साथ सीएम धामी ने चार घोषणाएं की. इसके तहत उत्तराखंड पुलिस के जवान ड्यूटी के दौरान मृत्यु को प्राप्त होते हैं तो तत्काल रूप से 1 लाख रुपए की आर्थिक मदद के लिए शहीद कल्याण कोष में 2 करोड़ रुपए का फंड तैयार किया जाएगा. नॉन गजटेड पुलिस कर्मचारियों का निःशुल्क सलाना हेल्थ चेकअप कराया जायेगा. सीएम ने कहा कि इसके साथ ही पुलिसकर्मियों को आवास के लिए 100 करोड़ का फंड बनाया जाएगा. अनुकंपा पर होने वाले भर्तियों में हो रही समस्यों को दूर किया जाएगा

सीएम ने पुलिस के काम को सराहा-इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि देश में आंतरिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी राज्यों के पुलिस बल व अर्द्धसैनिक बलों का होता है. इस दौरान वो अपनी जान भी न्योछावर कर देते हैं. पुलिस व्यवस्था किसी भी राज्य की सुरक्षा एवं समृद्धि का एक अभिन्न अंग है. इस दौरान उन्होंने पुलिस के कामों की सराहना करते हुए कहा कि कावंड़ यात्रा में 4 करोड़ से अधिक और चारधाम यात्रा में अब तक 50 लाख श्रद्धालुओं के लिए सराहनीय काम किए हैं. इसके साथ ही राज्य में जी-20 सम्मेलन की तीन बैठकों में उत्तम सुरक्षा व्यवस्था को उत्तराखण्ड पुलिस ने अच्छे तरीके से किया.सीएम धामी ने कहा कि हमारा लक्ष्य है 2025 तक राज्य को नशामुक्त बनाना. वहीं राज्य में भू-माफिया और नकल माफियाओं पर अंकुश लगाने के लिए कठोर कानून लाए हैं. राज्य में महिलाओं की सुरक्षा के लिए हर थाने में महिला हेल्प डेस्क बनाया गया है. महिला सुरक्षा के लिए एक एप का निर्माण किया गया है. इसके तहत 1 लाख से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं.

इजरायल पर 7 अक्टूबर को हमास द्वारा किए गए हमले के बाद फिलिस्तीनी चरमपंथी गुट इजरायल के निशाने पर है. इजरायल गाजा पट्टी में लगातार बमबारी कर रहा है.

जिसमें सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है. साथ ही हजारों लोग घायल हो गए हैं. बताया जा रहा है कि इजरायल की ओर से की गई बदले की कार्रवाई में अब तक 4500 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है. रविवार को इजरायल ने एक बार फिर से हमास के खिलाफ बड़ा हमला किया. इस बार इजरायली सेना ने वेस्ट बैंक में जेनिन की अल अंसार मस्जिद पर हवाई हमला कर दिया.

इजरायली सेना ने दावा किया कि हमास के आतंकियों ने इस मस्जिद को कमांड सेंटर बना रखा था. जहां से हमले की प्लानिंग की जा रही थी. इजरायल के हमलों का जवाब देने के लिए हिजबुल्लाह भी हमास का साथ दे रहा है. जिसके चलते न सिर्फ गाजा पट्टी बल्कि लेबनान की ओर से भी इजरायल पर हमले किए जा रहे हैं. हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि बीते 14 दिनों में उसके 14 सदस्यों की मौत हुई है.

हमास ने मस्जिद को बना रखा था कमांड सेंटर-अल अंसार मस्जिद पर हुए हवाई हमले में एक शख्स की मौत की खबर है. जिसके बारे में फिलिस्तीनी प्रशासन ने जानकारी दी है. जबकि इजरायल ने दावा किया है कि इस हमले में हमास के कई आतंकी मारे गए हैं. बता दें कि 7 अक्टूबर को हमास के हमले के बाद इजरायल ने वेस्ट बैंक में दूसरी बार हवाई हमला किया है. इससे पहले इजरायल सिर्फ गाजा पट्टी में ही बमबारी कर रहा है. जेनिन

शरणार्थी शिविर के पास स्थित अल अंसार मस्जिद को इजरायल ने रविवार को निशाना बनाया. इजरायल का कहना है कि हमास, फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद आतंकी संगठन ने इसे अपना अड्डा बना रखा था.

इजरायली सेना ने जारी की तस्वीरें-वहीं इजरायली सेना ने इस एयर स्ट्राइक के बाद तस्वीरें भी जारी की है. जिसमें दावा किया गया कि अल अंसार मस्जिद में भारी मात्र में गोला-बारूद और हथियार इकट्ठा किए गए थे. इसके अलावा मस्जिद में बंकर भी बनाया गया था. गौरतलब है कि इजरायल ने वेस्ट बैंक के इस इलाके में पहले भी हवाई हमला किया था. इस इलाके में बड़ी संख्या में फिलिस्तीनी नागरिक रहते हैं.

हमले में ढहा मस्जिद का बड़ा हिस्सा-इजरायली सेना की ओर से जारी की गई तस्वीरों में मस्जिद का एक बड़ा हिस्सा गिरा हुआ दिखाई दे रहा है. वहीं इसके आसपार कई एंबुलेंस भी खड़ी हुई हैं. जबकि कई लोग मलबे को हटाने की कोशिश करते हुए देखे गए. वहीं सोशल मीडिया में सामने आ रहे कई वीडियो में एंबुलेंस का सायरन भी सुनाई दे रहा है. फिलिस्तीनी प्रशासन का दावा है कि इजरायली हमले में अब तक 3400 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है. वहीं यूएन की एजेंसियों ने गाजा में लोगों को मदद पहुंचानी शुरू कर दी है. मिस्र के रास्ते 20 ट्रकों को गाजा भेजने की अनुमति मिली है. इजरायल के हमले में गाजा पट्टी में 40 फीसदी इमारतें नष्ट हो गई हैं.

दिल्ली-एन सी आर में बारिश से बढ़ेगी ठंड, अगले हफ्ते कैसा रहेगा मौसम?

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में ठंड का आगाज हो चुका है. सुबह और शाम को जहां लोगों को अच्छी खासी ठंड का अहसास होने लगा है, वहीं दिन की धूप में भी अब नरमी आ रही है. आलम यह है कि लोगों ने एसी और कूलर-पंखे बंद कर दिए हैं. वहीं, मौसम विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में बारिश की उम्मीद जताई है. भारत मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि दिल्ली और आसपास के इलाकों में आज दिनभर बादल छाए रहेंगे. इसके साथ ही बूंदाबांदी के भी पूरे आसार बन रहे हैं. माना जा रहा है कि यह बूंदाबांदी दिल्ली-एनसीआर में ठंड बढ़ा सकती है, जिसके बाद में लोगों को अपने गर्म कपड़े निकालने पड़ेंगे.राजधानी दिल्ली की बात करें तो यहां आज यानी रविवार को मिनिमम टेंपरेचर 17 डिग्री सेल्सियस और मैग्जीमम टेंपरेचर 32 डिग्री सेल्सियस

रिकॉर्ड किया जा सकता है. जबकि कल यानी 21 अक्टूबर को दिल्ली में मैग्जीमम टेंपरेचर 31.4 डिग्री (सामान्य से एक डिग्री कम) और मिनिमम टेंपरेचर 15.8 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 3 डिग्री कम) दर्ज किया गया. भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार केरल और तमिलनाडु में आज भारी बारिश होने की संभावना है. आईएमडी की रिपोर्ट में बताया गया कि केरल, माहे और तमिलनाडु में आज बिजली गिरने, और तेज हवाओं व गरज के साथ भारी बारिश होने की संभावना है. इसके साथ ही कराईकल, पुडुचेरी, तमिलनाडु, राजस्थान, पंजाब, लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने के साथ भारी बारिश होगी. आईएमडी ने बताया कि पश्चिम मध्य और आसपास के इलाकों में जैसे पूर्व मध्य व दक्षिणपूर्व बंगाल की खाड़ी में 50 से 60 किमी प्रति घंटे से लेकर 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार ते हवाएं चलेंगी. जिसके चलते मछुआरों को समुद्र में न उतरने की सलाह दी है. इसके साथ ही तटीय लोगों को अलर्ट रहने व सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया है.

मेट्रो में सफर करने पहुंचे टाइगर श्रॉफ और जैकी भगनानी, फैंस की लग गई भीड़

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ अपनी हालिया रिलीज फिल्म गणपत को लेकर चर्चा में हैं. एक्शन पैक फिल्म में टाइगर श्रॉफ काफी डैशिंग लग रहे हैं. हालांकि, फिल्म को दर्शकों का खास रिस्पॉंस देखने को नहीं मिल रहा है. इधर टाइगर लगातार गणपत का प्रमोशन कर रहे हैं. इसलिए एक्टर मुंबई की मेट्रो सेवा का आनंद लेते नजर आए. सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में टाइगर को मेट्री की सवारी करते देखा सकता है. पब्लिक के बीच एक्टर मेट्रो में सफर करते दिख रहे हैं. टाइगर के साथ फिल्म प्रोड्यूसर और एक्टर जैकी भगनानी भी साथ नजर आ रहे हैं. पैपराजी ने टाइगर श्रॉफ को आज मुंबई मेट्रो में स्पॉट किया. यहां एक्टर अपनी फिल्म गणपत का प्रमोशन करने पहुंचे थे. टाइगर को देख फैंस की भीड़ लग गई. एक्टर के फैंस ने उनके साथ जमकर फोटोज क्लिक करवाए. इतना ही नहीं टाइगर ने फैंस से फिल्म देखने की भी अपील की.

देश के इन शहरों में बदले पेट्रोल-डीजल के दाम, ये हैं नए रेट

वैश्विक बाजार में आज लगातार दूसरे दिन कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई. शनिवार से पहले लगभग एक सप्ताह तक क्रूड के दाम में लगातार इजाफा देखने को मिला था. रविवार को कच्चे तेल की कीमत में दूसरे दिन भी नरमी दिखाई दी. आज डब्ल्यूटीआई क्रूड के दाम में 0.33 फीसदी यानी 0.29 डॉलर प्रति बैरल की कटौती

देखने को मिली. इसके बाद ड्ढ्ढ क्रूड गिरकर 88.08 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया. जबकि ब्रेंट क्रूड के भाव 0.24 प्रतिशत यानी 0.22 डॉलर सस्ता होकर 92.16 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए. इसी के साथ देश के कई शहरों में तेलयूपी के अलीगढ़ में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में क्रमशः 8-7 पैसे की बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल 96.99 रुपये प्रति लीटर हो गया. जबकि डीजल के दाम 90.13 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गए. वहीं आगरा में तेल की कीमतों में गिरावट हुई है. यहां पेट्रोल 15 पैसे तो डीजल 16 पैसे सस्ता होकर 96.48 और 89.64 रुपये प्रति लीटर हो गया है. जबकि प्रयागराज में तेल के दाम कम हुए हैं. यहां पेट्रोल 66 पैसे तो डीजल 65 पैसे सस्ता होकर 96.66 और 89.86 रुपये प्रति लीटर पर आ गया है. जबकि दिल्ली से सटे नोएडा/ग्रेटर नोएडा में पेट्रोल-डीजल महंगा हुआ है. यहां पेट्रोल के दाम 41 पैसे बढ़कर 97 रुपये लीटर तो डीजल 38 पैसे बढ़कर 90.14 रुपये प्रति लीटर हो गया है.उधर बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल-डीजल के दाम क्रमशः 12-11 पैसे टूटकर 107.42 और 94.21 रुपये प्रति लीटर पर आ गए हैं. वहीं मुजफ्फरपुर में तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई ह

इन किसानों की अटक जाएगी 15वीं किस्त, सरकार ने की सूची जारी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों के लिए ये खबर बहुत खास है. क्योंकि दिवाली से केन्द्र सरकार किसानों के खाते में 15 किस्त के 2000-2000 रुपए ट्रांसफर करने वाली है. हालांकि इसे पांच राज्यों के चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है. लेकिन केन्द्र सरकार का मानना है कि किसानों को टाइम पर सरकारी सुविधा का लाभ मिलना जरूरी है. हालांकि जिन किसानों ने सरकारी नियमों को पूरा नहीं किया है. ऐसे किसानों को 15वीं किस्त से वंचित करने की पूरी प्लानिंग है. बताया जा रहा है कि इस बार की किस्त से भी लगभग 3 करोड़ किसान ऐसे हैं. जिन्हें योजना का लाभ नहीं मिलेगा...

इन कारणों से अटेगी 15वीं किस्त-आपको बता दें पीएम किसान योजना सरकार की महत्वकांशी स्कीम है. जिसमें सराकर प्रति तिमाही पात्र किसानों को 2000 रुपए की आर्थिक मदद देती है.

मध्य प्रदेश चुनाव के लिए भाजपा ने 92 उम्मीदवारों की सूची जारी की

इस साल देश के पांच राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना में होने जा रहे विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है. भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस समेत सभी दलों ने युद्ध स्तर पर चुनावी तैयारियां शुरू कर दी हैं. इस क्रम में भाजपा ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए 92 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है. इससे पहले कमलनाथ के बयान पर ष्ट्रशिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मैं विकास का नारियल लेकर चलता हूं. मैं योजनाओं का शिलान्यास करता हूं नारियल फोड़ता

हूं... मैं नारियल लेकर चलता हूं और वे(कमलनाथ) ताला लेकर चलते हैं. उनकी सरकार आने पर वे भाजपा की योजनाओं पर ताला लगा देते हैं...÷

बीजेपी उम्मीदवारों की यह 5वीं लिस्ट-मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी उम्मीदवारों की यह 5वीं लिस्ट है. यहां गौर करने वाली बात यह है कि बीजेपी की इस लिस्ट में किसी सांसद या केंद्रीय मंत्री का नाम नहीं नहीं, जबकि दूसरी लिस्ट में बीजेपी ने मंत्री और सांसदों का नाम भी शामिल किया था. बीजेपी की पांचवीं लिस्ट के साथ ही केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को लेकर जारी अटलकों का दौर भी थम गया है. सिंधिया के ग्वालियर की किसी सीट से चुनावी मैदान में उतरने की चर्चा चल रही थी. चौंकाने वाली बात यह है कि ईंदौर-एक विधासभी सीट से बीजेपी के प्रत्याशी बने कैलाश विजयवर्गीय के बेट आकाश को पार्टी ने टिकट नहीं दिया है.आपको बता दें कि बीजेपी इससे पहले उम्मीदवारों की चार लिस्ट जारी कर चुकी है. इन चारों लिस्ट में 136 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी गई थी. पहली और दूसरी लिस्ट में 39-39 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया था. जबकि तीसरी सूची में केवल एक उम्मीदवार का नाम ही घोषित किया गया

सिंधिया स्कूल में बोले पीएम मोदी- पूरे विश्व में भारत की धाक जमी हुई है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यानी शनिवार को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में सिंधिया स्कूल के 125वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए. सिंधिया स्कूल के 125वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में क्क्रू मोदी ने कहा कि सिंधिया स्कूल के 125 वर्ष होने पर आप सभी को बहुत-बहुत बधाई. आज आज़ाद हिंद सरकार का स्थापना दिवस भी है, मैं आप सभी को इसकी भी बधाई देता हूं. क्क्रू मोदी ने आगे कहा कि साल 2014 में जब देश ने मुझे प्रधानसेवक का दायित्व दिया तब मेरे पास 2 रास्ते थे- या तो सिर्फ तात्कालिक लाभ के लिए काम करें या दीर्घकालिक अप्रोच को अपनाएं...

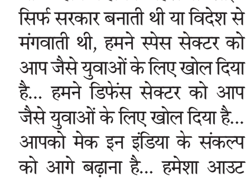

आज हमारी सरकार को 10 साल हो रहे हैं और इस दौरान देश ने दीर्घकालिक प्लानिंग के साथ जो फैसले किए वह अभूतपूर्व है.

पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत सफलता की जिस ऊंचाई पर है वह अभूतपूर्व है. पूरे विश्व में भारत की धाक जमी हुई है. 23 अगस्त को भारत चंद्रमा पर वहां पहुंचा, जहां अब तक कोई देश नहीं पहुंच पाया था. उन्होंने कहा कि पहले सैटेलाइट सिर्फ सरकार बनाती थी या विदेश से मंगवाती थी, हमने स्पेस सेक्टर को आप जैसे युवाओं के लिए खोल दिया है... हमने डिफेंस सेक्टर को आप जैसे युवाओं के लिए खोल दिया है... आपको मेक इन इंडिया के संकल्प को आगे बढ़ाना है... हमेशा आउट ऑफ द बॉक्स सोचिए...पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है. आज भारत ग्लोबल फिनटेक एडॉप्शन रेट में नंबर 1 पर है. आज ही गगनयान के क्रू एस्केप सिस्टम का सफल परीक्षण किया गया... आज भारत के लिए कुछ भी असंभव नहीं है.

चाचौड़ा बाल्मीकि समाज द्वारा मां काली की की गई स्थापना

योगेश शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे

चाचौड़ा चंपावती नगरी में बाल्मीकि समाज द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मां काली की स्थापना सत्यनारायण मंदिर के सामने की गई मां काली की आकर्षक प्रतिमा के दर्शन करने हेतु प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमर रही है झांकी का आयोजन वाल्मीकि युवक मंडल द्वारा प्रतिवर्ष किया जाता है इस वर्ष भी युवकों में भारी उत्साह देखने को मिलाकान्हा वाल्मीकि अजय वाल्मीकि निलेश वाल्मीकि अर्जुन वाल्मीकि निखिल वाल्मीकि गोलू वाल्मीकि निखिल वाल्मीकि राज वाल्मीकि शिवनारायण वाल्मीकिविनय अनुज अंकित अतुल अभिषेक अजय विवेक सनी सुमित अज्जू मनीषसंदीप राज कुलदीप दिलीप सुजल राहुल रामविलास

कायस्थ समाज शिवपुरी की महिला इकाई द्वारा नवरात्रि की सप्तमी की श्याम गरबा

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-कायस्थ समाज शिवपुरी की महिला इकाई द्वारा नवरात्रि की सप्तमी की शाम होटल ठाटबाट मे गरबा, डांडिया, एकल नृत्य सहित अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया शिवपुरी कायस्थ समाज शिवपुरी की महिला इकाई द्वारा नवरात्रि की सप्तमी की शाम से लेकर देर रात्रि तक में होटल ठाटबाट मे कायस्थ मातृशक्ति सहित, बालिकाओं द्वारा सामूहिक गरबा, डांडिया, एकल नृत्यो के कार्यक्रम का शानदार आयोजन किया गया!कार्यक्रम मे सामूहिक गरबा, डांडिया, एकल नृत्य मे प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आए प्रतिभागियों को पुरुस्कारो का वितरण भी किया गया , एकल डांस प्रतियोगिता मे प्रथम पुरस्कार दिव्या कुलश्रेष्ठ, द्वितीय

स्थान अनुष्का श्रीवास्तव, एव श्रीमती रितु श्रीवास्तव ने प्राप्त किया, ग्रुप डांस प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान श्रीमति रुचि श्रीवास्तव, अंशिका श्रीवास्तव के ग्रुप ने प्राप्त किया, कार्यक्रम में जज/निर्णायक की भूमिका श्रीमति दिव्या श्रीवास्तव, कु.कामिनी, एव श्रीमति हेमलता चौधरी द्वारा निभाई गई ! कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से कायस्थ समाज महिला इकाई की अध्यक्षा श्रीमती संध्या श्रीवास्तव,वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमति सुभाष श्रीवास्तव,उपाध्यक्ष श्रीमति दीपमाला श्रीवास्तव, सचिव रश्मि श्रीवास्तव, सहसचिव श्रीमति ज्योति श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी रितु श्रीवास्तव, विधि सलाहकार श्रीमति दिव्या श्रीवास्तव, संगठन मंत्री श्रीमती प्रविता अस्थाना,कार्यकारणी की सदस्यगण श्रीमति ममता श्रीवास्तव, अनीता श्रीवास्तव, श्रीमति सुमन श्रीवास्तव, वंदना श्रीवास्तव, एव श्रीमति मनीषा श्रीवास्तव सहित अनेको मातृशक्ति उपस्थित रहीं !कार्यक्रम का शानदार संचालन श्रीमति हेमलता चौधरी मैडम द्वारा किया गया, इस कार्यक्रम के आयोजन मे कायस्थ समाज शिवपुरी की महिला अध्यक्ष श्रीमति संध्या श्रीवास्तव की महती भूमिका रही !

टिल्लू पम्प चोर गिरफ्तार बरामद किया टिल्लू पम्प

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-दिनांक 20.10.2023 को फरियादी संजीव कुमार पुत्र महेश कुमार पाराशर निवासी नरेन्द्र नगर छत्री रोड शिवपुरी व्दारा दिनांक 13, 14.10.2023 की दरम्यानी रात्रि में अज्ञात चोर व्दारा पर मैं घुसकर अंदर रखा टिल्लू पम्प चोरी कर ले गया उक्त रिपोर्ट पर से अपराध क्रमांक 267/23 धारा 457, 380 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया वरिष्ठ अधिकारी पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह, अति पुलिस अधीक्षक राजीव मुले सीएसपी संजय चतुर्वेदी के मार्ग निर्देशन में थाना प्रभारी फिजीकल निरीक्षक रजनी सिंह चौहान को दिनांक 21.10.2023 को मुखबिर सूचना पर से भूत पुलिया के पास शिवपुरी संदेही अशोक पुत्र खेमू कुशवाह उम्र 40 साल निवासी ग्राम मडोरीपुरा करैरा हाल टी व्ही टावर के नीचे शांति नगर कालोनी शिवपुरी एवं सोनू कोली पुत्र रामसेवक फोली उम्र 37 साल निवासी ग्राम मडोरीपुरा करेरा शिवपुरी से पूछताछ करने पर नरेन्द्र नगर में चोरी करना स्वीकार किया एवं उक्त आरोपीगण के कब्जे से चोरी गया टिल्लू पम्प कीमती करीब 3000 रुपये का बरामद कर आरोपीगण गिरफ्तार किया गया । एवं उक्त आरोपीगण से हितमत अमली से पूछताछ की गई तो आरोपीगण व्दारा दो और टिल्लू पम्प व एक खाली गैस सिलेण्डर अलग अगल स्थानों से चोरी करना स्वीकार किया उक्त आरोपीगण से कुल तीन टिल्लू पम्प व गैस सिलेण्डर कुल कीमती करीब 15500 रूपये का इस्तगासा क्र. 03 / 23 धारा 41(1) (4) 102 जाफो 379 भादवि में जम किये गये।

आपराधिक रिकार्ड-गिफ्तार शुदा आरोपी सोनू कोली थाना करैरा शिवपुरी का रजिस्टार्ड निगरानी बदमाश है। जिसके विरूध्द थाना करैरा में अवैध शराब बेचने, नकबजनी करने आम जनता की मारपीट करने तथा अवैध हथियार + रखने के कुल 14 अपराध पंजीबध्द है तथा आरोपी अशोक कुशवाह के विरूद्ध थाना कोतवाली शिवपुरी में नकबजनी करने, अवैध हथियार रखने, डकैती की तैयार करने के कुल 09 अपराध पंजीबद्ध है।

सराहनीय भूमिका-निरीक्षक रजनी सिंह चौहान, सउनि अजय सिंह तोमर, प्र. आर. 331 राजवीर सिंह प्र. आर. 05 केशव तिवारी प्र. आर. 340 विजय सेंगर, प्र. आर. 585 जितेन्द्र परिहार, आर. 897 शकील खाँनस आर. 68 विजय मीणा, आर. 755 पुष्पेन्द्र सिंह रावत सैनिक 288 रिंकू बाथम की विशेष भूमिका रही।

थाना सुभाषपुरा द्वारा एक 32 बोर की पिस्टल ,04 जिन्दा राउण्ङ ,एक 315 बोर का देशी कट्टा ,02 जिन्दा राउण्ङ मय मोटर साईकिल सहित दो आरोपीगणो को किया गिरफ्तार

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-दिनांक 22.10.2023 को श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी श्री रघुवंश सिह , श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं श्रीमान एसडीओपी महोदय श्री संजय चतुर्वेदी द्वारा अवैध शराव एवं अवैध हथियारो की धरपकङ की जाने वाली कार्यवाही के निर्देश दिये थे निर्देशो के पालन में उनि कुसुम गोयल थाना प्रभारी सुभाषपुरा द्वारा लगातार मुखबिर से सपर्क रखते हुये घटना स्थल ग्राम भानगढ ग्वालियर से शिवपुरी तरफ जाने वाला ए बी रोङ थाना सुभाषपुरा जिला शिवपुरी से दौराने एसएसटी/एफएसटी पाईट ड्युटी की चैकिग के दौरान आरोपी अमन सिंह तोमर पुत्र मोहन सिंह तोमर उम्र 24 साल निवासी ग्राम खांदी थाना सुभाषपुरा जिला शिवपुरी के कब्जे से एक 32 बोर की पिस्टल 04 जिन्दा राउण्ङ हीरो स्पेन्डर क्रमाक एमपी07-हस्न-7226 काले रंग की मोटर साईकिल आरोपी मंगल सिह पुत्र रामशरण सिंह भदौरिया उम्र 38 साल निवासी ग्राम मेहगांव शांति नगर रोङ कुम्हार के मकान के पास जिला भिण्ङ हाल निवास ग्राम खांदी थाना सुभाषपुरा जिला शिवपुरी के कब्जे से एक 315 बोर का देशी कट्टा , 02 जिन्दा राउण्ङ जप्त कर उक्त दोनो आरोपियान को गिरफ्तार किया गया थाना हाजा पर अपराध कायम किया गया। उक्त कार्यवाही मे निम्माकिंत फोर्स की अहम भूमिका रही ।उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सुभाषपुरा उनि कुसुम गोयल,सउनि परमाल सिंह ,प्रआर 950 संजय यादव, प्रआर 197 अभय सिंह, आर 104 रवि कुशवाह, आर 1012 हरेन्द्र तोमर, आर 463 संजय जाट,आर 619 पवन कुमार, आर 274 धर्मेन्द्र शर्मा ,आर 958 अभिषेक धाकङ, आर 419 देवेन्द्र धाकङ,आर 598 अर्जुन जाट, आर 440 राधाक्रष्ण धाकङ ,आर चालक 27 सोनू गुर्जर की अहम भूमिका रही ।

जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा ने नवरात्रि पर मानव वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा की महाआरती

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा ने नवरात्रि पर मानव वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा की महाआरतीजैसा की नवरात्रि का पावन पर्व बड़े ही धूमधाम से और बड़े ही हर्ष उल्लास से मनाया जा रहा है इसी क्रम में गांधी पार्क में मानव वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा जेसीआईआई के सभी सदस्यों ने वहां पर आरती की और उन्होंने गरबा भी किया मानव वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों ने जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा के सदस्यों का माला अर्पण कर एवं शील्ड देकर सम्मान भी किया अध्यक्ष प्रियंका ने बताया की माता के 9 दिन चल रहे हैं जिसमें हमें वेलफेयर सोसाइटी द्वारा सम्मान एवं आरती का सौभाग्य प्राप्त हुआ उसके लिए उन्होंने मानव वेलफेयर समिति का बहुत-बहुत धन्यवाद किया जिसमें प्रेसिडेंट प्रियंका शिवहरे सचिव जैसी आरती जैन जैसी रुचि मंगल जैसी निशा गोयल जैसी बबीता अग्रवाल जैसी अंशु अग्रवाल जैसी नीतू शिवहरे अंजना अग्रवाल जैसी माधवी सोनी जैसी रश्मि गोयलउषा अग्रवाल जैसी सपना शर्मा एवं जेसीआई के सभी सदस्यों उपस्थित रहे

घटनास्थल से करीबन 110 लीटर अवैध कच्ची शराब कीमती करीबन 11000 रु. जप्त आरोपी मौके से फरार

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

पिछोर, पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी श्री रघुवंश सिंह भदौरिया एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी श्री संजीव मुले के निर्देशन में एवं श्रीमान एसडीओपी महोदय पिछोर श्री प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में आगामी विधान सभा चुनाव को देखते हुए श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय व्दारा अवैध शराब माफियाओं पर कार्यवाही हेतु दिये गये निर्देशो के पालन में आज दिनाँक 21/10/23 को थाना प्रभारी निरी. शिवसिंह यादव थाना पिछोर को मुखविर द्वारा हुई की ग्राम सालौरा का मोहर सिहं पुत्र जगभान सिंह चौहान निवासी सालौरा का अपने पठार नदी के किनारे वाले खेत पर दो कैनो मे शराब लिये बैठा है मुखविर सूचना की तस्दीक हेतु सउनि जहान सिंह , सउनि सतीश जयन्त , प्र.आर. 548 दीपचन्द्र , प्र.आर. 640 मदनमोहन , आर. 256 रामनाथ , आर. 313 मांगीलाल गुर्जर को मय अनुवंधित वाहन के रवाना किया गया । मुखविर द्वारा बताये स्थान पठार नदी के किनारे मोहर सिंह का खेत ग्राम सालौरा पर पहुचे तो मोहर सिंह चौहान पेड़ के नीचे दो कैनो के साथ बैठा दिखा जो पुलिस को देखकर मौके से जंगल की तरफ झाडियो में भाग गया।जिसे पकडने का प्रयास किया गया जो नही मिला मौके से दो कैनो मे 55-55 लीटर कुल 110 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब कीमती 11000/- रू. की जप्त की गई। वापसी पर फरार आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 587/23 धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी पिछोर निरीक्षक शिवसिंह यादव , सउनि जहान सिंह , सउनि सतीश जयन्त , प्र.आर. 548 दीपचन्द्र , प्र.आर. 640 मदनमोहन , आर. 256 रामनाथ , आर. 313 मांगीलाल गुर्जर की सराहनीय भूमिका रही

भाजपा विधायक संजीव सिंह का टिकट कटने से गुस्साए समर्थकों ने शीर्ष नेताओं का पुतला फूंका

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारतीय जनता पार्टी की पांचवीं सूची में भिंड विधायक संजीव सिंह कुशवाह संजू का टिकट काटा गया तो उनके समर्थकों ने केंद्र और प्रदेश के नेताओं का मेला ग्राउंड के पास पुतला फूंककर नरेंद्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया,शिवराज सिंह चौहान,वीडी शर्मा मुर्दाबाद के नारे लगाए। टिकिट कटने से नाराज समर्थकों का कहना है,कि उनके नेता संजीव सिंह कुशवाह के साथ पार्टी ने पूर्ण आश्वासन देकर धोका किया है, इसका खमियाजा भाजपा को भुगतना पड़ेगा। अभी विधायक संजीव सिंह कुशवाह संजू ने कोई पत्ते नहीं खोले हैं, उनका कहना है कि जल्द ही वह अपनी रणनीति तैयार कर बताएगें, लेकिन समर्थकों का कहना है कि वह चुनाव लड़ सकते हैं,जो होगा वह भविष्य में देखने को मिल ही जाएगा।

पुलिस द्वारा चलाया गया गुण्डा एवं निगरानी बदमाशों के खिलाफ चैकिंग अभियान

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । आगामी विधानसभा चुनाव- 2023 को दृष्टिगत रखते हुये उक्त चुनाव को निर्विघ्न व निष्पक्ष रुप से सम्पन्न कराने हेतु पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक के नेतृत्व में भिण्ड जिले सभी अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) एवं थाना प्रभारियों द्वारा थाने के बल के साथ 21 अक्टूबर 23 की रात्रि को निगरानी बदमाशों एवं गुण्डो की चैकिंग का अभियान चलाया गया, जिसमें गुण्डा एवं निगरानी बदमाशों की सर्चिंग / चैकिंग की गई निगरानी एवं गुण्डा बदमाशों की चैकिंग के दौरान उन्हें आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान किसी भी असमाजिक या आपराधिक गतिविधि में संलिप्त ना रहने की सख्त हिदायत दी गई और किसी भी सूरत में आगामी चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश करने पर उसके गम्भीर परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी गई।पुलिस अधीक्षक श्री यादव के निर्देश के पालन में जिला भिण्ड के समस्त अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) व थाना प्रभारियों एवं थाना बल के द्वारा सम्पूर्ण जिले के कुल 134 निगरानी बदमाश एवं कुल 160 गुण्डों को चैक किया गया व आगामी चुनाव के दौरान शान्ति से रहने की हिदायत दी गई।

सीरवी समाज नालासोपारा आईमाता वडेर में हुआ अष्टमी का यज्ञ हवन

पुष्पाजंली टुडे /नारायणलाल सेंणचा

मुम्बई। नालासोपारा वडेर प्रांगण मे हर वर्ष की भाँती यह 20 वाँ समारोह नवरात्र के पावन महापर्व पर समस्त सिरवी नवयुवक मंडल सहित सिरवी महिला मंडल के साथ-साथ सभी स्वजातीय बंधुओ और सभी स्वजातीय मातृशक्ती की उपस्थिती में मनाया गया । वडेर प्रांगण मे सुबह-सुबह हवन का यज्ञ का कार्यक्रम हुआ जिसमें लाभार्थियों ने हवन में आहुति देकर धर्म लाभ लिया। हवन के लाभार्थीताराराम सुपुत्र कुपाजी परमार परिवार एवं गादी चढाने का प्रोग्राम भबुतमल, गमनाराम सुपुत्र चुनाराम मुलेवा परिवार और ध्वजा चढाने का प्रोग्राम पुखराज सुपुत्र रुपाराम सेपटा परिवार द्वारा माताजी की आरती के साथ बहुत ही हर्षोल्लास के साथ साथ बहुत ही शानदार तरीके से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर समाज के बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य उपस्थित रहे। ये जानकारी मिडिया प्रभारी मोतीलाल परमार द्वारा दी गई

उद्योगों के वादे निकले झूठे, युवाओं को रोजगार देगी कांग्रेस- शशांक सक्सेना

सीहोर। रविवार को नगर के कस्बा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी शशांक सक्सेना ने कार्यकर्ताओं के साथ जनसंपर्क किया। इस दौरान श्री सक्सेना ने तहसील चौराहा, दीवान बाग, दूल्हा बादशाह कोलानी, जमशेद नगर, फिरदौस नगर, मोमिन पुरा, जामुनपुरा, जलालीपुरा और भोपाली फाटक क्षेत्रों में पहुंचे जहां उनका वार्डवासियों ने आत्मीय स्वागत किया। जनसंपर्क में कांग्रेस प्रत्याशी को युवाओं का साथ और बुजुर्गों का आर्शीवाद मिल रहा है। श्री सक्सेना ने अपने संबोधन में कहा कि आज सांप्रदायिक ताकतें देश में काबिज हैं। यह विभाजन की बात करती हैं, कांग्रेस जोडने की बात करती है। 75 सालों तक कांग्रेस ने देश को जोडे रखा। लेकिन आज समाज को बांटकर वोट हासिल करने की राजनीति की जा रही है। कहा कि मेरे परिवार ने कभी इस प्रकार की राजनीति नहीं की। हमेशा सभी धर्मों का सम्मान किया सभी को साथ लेकर चले। कहा कि यह भविष्य की लडाई है, शिक्षा, रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य की लडाई है। भाजपा सरकार में पूंजीपतियों को बढावा दिया जा रहा है सरकारी महकमों में निजीकरण लागू किया जा रहा है जिससे नौजवानों के लिए रोजगार के अवसर समाप्त होते जा रहे हैं। आज हालात यह हैं कि युवा शिक्षित हैं लेकिन उनके हाथों में रोजगार नहीं। क्षेत्र बेरोजगारी में पढे लिखे बेरोजगारों की भीड बढ रही है और परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। जनप्रतिनिधियों ने रोजगार के क्षेत्र में कभी ठोस कदम नहीं उठाए इसलिए ऐसे हालात बने। कांग्रेस सरकार आने पर क्षेत्र में कारखाने स्थापित किए जाएंगे। बेरोजगार युवाओं को आर्थिक सहायता दी जाएगी। सभी लोगों को आगे बढने के समान अवसर प्राप्त होंगे।

बिधान सभा चुनाव में मतदान को बाधित करने बाले जायेगे जेल...एसपी शैलेन्द्र सिंह चौहान

केशब पंडित जी अम्बाह

मुरैना... पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिह चौहान ने अधीनस्थ थानाप्रभारी व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस की बैठक ली तथा जिले के अंदर स्थित कई पुलिस थानों का औचक निरीक्षण किया। थानों के निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थानाप्रभारियों को अपनी मंशा को जाहिर करते हुए अवगत करा दिया कि मतदान के पहले कोई भी गुण्डा-मवाली शहर व ग्रामीण अंचलों के गांवों में न दिखे। गुण्डे और बदमाशों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में जेल की चारदीवारी तक पहुंचाया जाए। किसी भी गुण्डे-मबाली को बख्शा नहीं जावे। पुलिस अधीक्षक ने जिले के समस्त थाना प्रभारियों को आदेशित किया है कि असमाजिक तत्वों पर अत्याधिक संख्या मेंप्रतिबंधात्मक कार्यवाहीं, अवैध शराब के विरूद्ध कार्यवाही, अवैध शस्त्र के विरूद्ध कार्यवाही, वारंटों की अत्याधिक संख्या में तामीली, जिले के सभी लायसेंसी हथियार थानों में जमा कराए जाए व अंतर्राज्जीय नाकों पर सख्ती से सघन चैकिंग हेतु थानाप्रभारियों को निर्देशित किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने जिले के अंदर तैनात अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों और जवानों से कहा है कि 17 नवम्बर को होने वाले विधानसभा चुनाव में पुलिस की खास भूमिका रहेगी।

निष्पक्षता के साथ चुनाव आचार संहिता का पालन पूरे तरीके से हो इसके लिए पुलिस को सजगता से ड्यूटी करने के अलावा पूरी सुरक्षा की भी जिम्मेदारी निभानी होगी। पुलिस को चुनाव में पूरी तरह से निष्पक्षता की भूमिका निभानी होगी। किसी भी प्रत्याशी के बारे में या किसी भी पार्टी के बारे में अथवा धर्म, जाति को लेकर एक शब्द भी नहीं बोलना है। चुनावमें सबसे अहम ड्यूटी पुलिस की है, इसे हमें पूरी तरह से समझना है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मतदान केन्द्र और मतदान कक्ष दोनों अलग-अलग होते है, हमारा दायित्व है कि मतदान कक्ष के सौ मीटर के अंदर किसी भी प्रत्याशी या किसी भी पार्टी का कोई प्रचार व प्रसार न हो। हमें चुनाव से पहले संबंधित लोगों के फोन नंबर हासिल करने होंगे, अपने साथियों से भी संपर्क करना होगा। किसी भी घटना की सूचना सबसे पहले सैक्टर या मोबाइलपुलिस पार्टी को देनी है। ड्यूटी के दौरान कोई भी ऐसा काम न हो जिससे चुनाव आचार संहिता का पालन न हो रहा हो। पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान ने अधीनस्थ जिला पुलिस बल के अधिकारी और कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि चुनाव ड्यूटी के दौरान पूरी ईमानदारी के साथ मुस्तैद रहना होगा। कोई भी लापरवाही करते हुए पाया गया या किसी ने लापरवाही बरती तो उस पर सख्त कार्यवाहीं होगी। मतदान केन्द्रों पर तैनात पुलिस बल अपने कर्तव्य का सही ढंग से पालन करेगा। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि विधानसभा चुनाव में मतदान को बाधित करने वालो को भेजा जाएगा जेल, किसी भी कीमत पर असमाजिक तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान ने यह भी कहा कि पूर्व में मुरैना जिले में हुए विधानसभा, लोकसभा, पंचायत चुनाव के दौरान जिन लोगों ने पुलिसपार्टियों पर हमले व शासकीय कर्मचारियों के कार्य में बाधा डाली है व मारपीट की है, मतदान केन्द्रों पर घटनाएं घटित की है, । ऐसे लोगों को पुलिस ने चिन्हित कर लिया है। ऐसे लोग पुलिस व प्रशासन पर पूर्व में हमला कर चुके है या प्रयास किया है, उन्हें बख्शा न जाए। उनके हौंसलों को परास्त किया जाए व मतदान के दौरान गड़बड़ी फैलानें की कोशिश न करें व पूर्व में ऐसे लोगों जिनके खिलाफ जिलाबदर व एनएसए की कार्यवाहियां पुलिस द्वारा की गई है ऐसे । असमाजिक तत्वों को चिन्हित कर जेल की चारदीवारी तक पहुंचाया जाए, क्योंकि यह कोई साधारण अपराधी नहीं है, जो पुलिस प्रशासन व शासकीय लोकसेवकों पर हमला करते हैं, ऐसे लोग जनता को भी डराने का काम कर सकते है इन्हें चिन्हित किया जाकर कठोर से कठोर कार्यवाहीं इनके विरूद्ध की जाए। ऐसे लोगों को बख्शा नहीं जाए।

सीरवी समाज गांधीधाम वडेर में हवन-यज्ञ का आयोजन

दैनिक पुष्पाजंली टुडे / नारायणलाल सेंणचा

गांधीधाम। सीरवी समाज गांधीधाम आईमाता मंदिर में नवरात्रि के उपलक्ष में होम अष्टमी पर हवन यज्ञ का आयोजन हुआ। सुबह वडेर में माता की विशेष पुजा-अर्चना की गई। उसके बाद यज्ञ के लाभार्थी जजमान श्रीमती विजयादेवी, विशाल सैणचा, श्रीमती सुखियादेवी, भंवरलाल सोलंकी रहे। श्रीमती कमलादेवी, रामलाल सैणचा, श्रीमती मंजू देवी सैणचा, खेताराम सोलंकी, बुद्धाराम सोलंकी, पुनाराम आगलेचा, भंवर लाल सैणचा, बाबूलाल सैणचा ने यज्ञ में आहुति देकर लाभ लिया। इस अवसर पर रामलाल सेंणचा ने सभी श्रद्धालुओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया ।

सीरवी समाज अडमारनहल्ली आईमाता वडेर में हुवा अष्टमी का यज्ञ हवन

दैनिक पुष्पाजंली टुडे / नारायणलाल सेंणचा

बेंगलूरू । सीरवी सेवा संघ ट्रस्ट अडकमारनहल्ली वडेर में रविवार को अष्टमी का हवन यज्ञ किया गया समाज के अनेक गणमान्य माताए बहने उपस्थित रहे। समाज के अनेक महानुभाव ने माता की उपासना की उपवास करके कई माताएं बहनें अखंड उपवास किया सभी का वडेर के अध्यक्ष रामलाल काग ने सभी हवन में बैठने वालों का स्वागत अभिनंदन किया। समाज के अमराराम देवड़ा, रतनलाल मुंडेवा, सोहनलाल सोलंकी, मोहन सीरवी, जोगाराम मुलेवा, माधुराम राठौड़ , चंद्र सिंह जी सोलंकी नेमाराम पवार, नेमाराम सेणचा, उमेश काग अनेक समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे

हैदराबाद स्थित - एल.बी.नगर बंडलागुड़ा में माताजी का विशाल जागरण

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर - खंगारराम मुलेवा

सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर असोसिएशन बंडलागुड़ा प्लाट के प्रांगण में नवरात्रि महोत्सव के पावन पर्व पर आज दिनांक 23 अक्टूबर को

माताजी का विशाल जागरण आयोजन किया जाएगा। आज शाम 6 बजे से 9 बजे तक डी.जे की धुन पर गरबा नृत्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। और रात्रि 9-15 बजे से संपूर्ण रात्रि माताजी का विशाल जागरण होगा। जागरण से पहले दुर्गा माताजी की महाआरती होगी। उसके बाद भजन गायकार रविन्द्र सिंह राजपुरोहित एण्ड पार्टी हैदराबाद के द्वारा भजनो की प्रस्तुती देगें इस कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधारक दुर्गा माताजी के दर्शन व भजनो का लाभ लेवे। निवेदक सीरवी समाज एल.बी. नगर वेलफेयर **एसोसिएशन बंडलागुड़ा हैदराबाद**

पिता की कमी कोई पूरी नहीं कर सकता : हेमंत कटारे

पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री कटारे की 7 वी पुण्यतिथि पर परिजनों सहित कार्यकर्ताओ ने किया नमन

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। म.प्र. कांग्रेस के पूर्व नेता प्रतिपक्ष व पूर्व मंत्री स्वर्गीय सत्यदेव कटारे की 7 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को अटेर क्षेत्र के सुरपुरा स्थित उनके पैत्रिक गांव मनेपुरा में समाधि स्थल पर परिजनों और समर्थकों ने कार्यक्रम आयोजित कर नमन करते हुए श्रृद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस प्रत्याशी हेमंत कटारे, मां श्रीमती मीरा कटारे,भाई योगेश कटारे सहित समस्त परिजन मौजूद रहें। पूर्व विधायक हेमंत कटारे ने भावुक होते हुए कहा पिता की कमी तो कोई पूरी नहीं कर सकता, लेकिन

आप सबका इतना प्यार ही मेरी ताकत है, मैं आपको इतना विश्वास दिलाता हूं कि किसी भी कार्यकर्ता को कभी पीठ नहीं दिखाऊंगा। आप सब अटेर क्षेत्र की जनता की में पिता के रूप में ही सेवा करूंगा और आप सब से भी यहीं आशा और विश्वास है,आप भी पिता के रूप में ही मुझे आशीर्वाद प्रदान करेंगे। चुनाव का समय है दो चुनाव हार चुका हूं ,आज मुझे आपके संबल और आशीर्वाद की सबसे ज्यादा जरूरत है। पांच साल के लिए मुझे मौका दे में भरोसा दिलाता हूं मुझे पिता की कमी जरूर महसूस होती रहेगी लेकिन आपको कभी उनकी कमी महसूस नहीं होने दूंगा। इस अवसर पर जय श्रीराम बघेल ने कहा मैंने अपने राजनीतिक जीवन में स्व सत्यदेव कटारे जितना निडर, दबंग और कार्यकर्ताओं को ब?ाने वाला नेता नहीं देखा और वहीं छवि में उनके पुत्र हेमंत में देखता हूं। इस अवसर पर डॉ हरिविलाश शर्मा,बाबा भगवान दास सैंथिया,डॉ अनिल भारद्वाज, संजय भूता,अरविंद बघेल,थान सिंह यादव,श्रीनारायण देपुरिया, सुरेश यादव,मायाराम जाटव,बंटी पचौरी,आशुतोष शर्मा, रमन शर्मा,पंकज भदौरिया,श्रीकृष्ण कुशवाह,सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और ग्रामवासी शामिल हुए।

पावई माता की सड़क का पूज्य संतो ने किया उद्घाटन,भक्तो द्वारा 5 सौ मीटर सड़क का काम संपन्न

दैनिक पुष्पांजली टुडे

अटेर। अटेर विधान सभा अंतर्गत पावई माता मंदिर की 500 मीटर आरसीसी रोड जय मां पावई सेवा समिति भक्त मंडल ग्रुप द्वारा डाली गई जिसका आज उद्घाटन हुआ,प्रेस को जारी विज्ञप्ति में भूतपूर्व सैनिक सुनील फौजी ने बताया कि माता के भक्तो , समाज सेवी जनों, भूतपूर्व सैनिकों द्वारा माता की सड़क आपसी सहयोग से डाली गई ,जिसका उद्घाटन पूज्य संत रामदास जी महाराज दंदरौआ सरकार,पूज्य संत राघव गिरी महाराज,पूज्य संत अनिल पाठक जी,मंदिर के पुजारी किशुन दास जी महाराज द्वारा किया गया,आचार्य भोले पंडित जी पावई द्वारा मंत्रोच्चार के साथ पूजन कार्य संपन्न हुआ,इस अवसर पर पूज्य संत रामदास जी महाराज ने भक्तो को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी भक्तो ने सरकार प्रशासन की मदद के बगैर पावई माता मंदिर सड़क निर्माण पूरे भिंड जिले में एक उदाहरण है आप सभी नौजवानो पर माता रानी कृपा बनाए रखे ,कार्यक्रम का संचालन हिरेंद्र प्रताप सिंह नरवरिया ने किया इस अवसर पर महेश पचोखरा,देवेश परमार,गौरव शर्मा,बिपिन गुर्जर,सरपंच सपेंद्र भदोरिया,सरपंच उम्मेद सिंह गुर्जर, नकुल गुर्जर, मोनू गुर्जर बघेड़ी, आकाश टाइगर, सुखवीर बघेल,शंकर शर्मा कनोउआ पुरा, उदय सिंह गुर्जर,विवेक भदौरिया विरंगवा ,सुमित बघेडी,विष्णु राजावत स्यावली,राहुल बघेल, गोलू गुर्जर,मोनू आनंदपुरा सहित सैकड़ों नौजवान उपस्थित रहे।

आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए आईटीबीपी और पुलिस का जैतवारा छेत्र में फ्लैग मार्च

पुष्पांजलि टुडे
राजेश तिवारी
ब्यूरो चीफ
सतना

विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कराने पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण विक्रम सिंह एवं मुख्यालय डीएसपी विजय सिंह की अगुवाई में जैतवारा थाना से पुलिस और आईटीबीपी के जवानों ने थाना इलाके किटहा खुटहा चदई सहित आसपास के क्षेत्र में निकाला फ्लैग मार्च, फ्लैग मार्च के दौरान थाना प्रभारी जैतवारा श्वेता मौर्य ने ग्रामीण जनों से बात कर समझाइस दी चुनाव के दौरान अगर किसी प्रकार का कोई दबाव या कोई समस्या आती है तत्काल थाना को सूचित करें बिना किसी डर के मतदान करे ?लैग मार्च में टीआई जैतवारा श्वेता मौर्य,आईटीवीपी के अधिकारी जवान जैतवारा थाना से प्रधान आरक्षक दयाराम प्रधान आरक्षक ऋषि द्विवेदी प्रधान आरक्षक अभिषेक शुक्ला प्रधान आरक्षक धीरेंद्र शुक्ला विजय शंकर राय अभिलाष सिंह शामिल रहे

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया एम सी एम सी प्रकोष्ठ का निरीक्षण

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री ऋषि पवांर ने रविवार की दोपहर कलेक्ट्रेट भवन के द्वितीय तल में स्थापित मीडिया प्रकोष्ठ,एम सी एम सी प्रकोष्ठ, डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल रूम,1950, शिकायत प्रकोष्ठ और सी विजिल का आकस्मिक निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने शिकायत प्रकोष्ठ में अब तक ड्यूटी पर अनुपस्थित मिले मो समसुददीन और निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित बी आर मिश्रा को निलंबन का नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने एम सी एम सी प्रकोष्ठ में संधारित रजिस्टर का अवलोकन किया और विज्ञापन तथा पेड न्यूज़ के संबंध में जानकारी ली। नोडल अधिकारी ने बताया कि अभी तक कोई भी संदिग्ध पेड न्यूज़ प्रकाश में नहीं आई है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने निकाला पथ संचलन

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा खंड देवपुर के मंडल गरेंठा में पथ संचलन निकाला गया जिसमें स्वयं सेवकों के द्वारा शस्त्र पूजन की गई साथ ही सभी स्वयंसेवक संघ के गीतों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहे थे संचलन से पूर्व सरस्वती शिशु मंदिर गरेंठा में एकत्रीकरण हुआ, वहीं पर विदिशा विभाग के विभाग प्रचार प्रमुख श्री शरद जी श्रीवास्तव का बौद्धिक हुआ जिसमें उन्होंने स्वयं सेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि हम शक्ति के उपासक हैं हम वसुधैव कुटुंबकम की भावना को लेकर काम करते हैं हम किसी के विरोधी नहीं है हम अपने सनातन धर्म को लेकर समाज के बीच कार्य करते हैं। हिंदू समाज संगठित रहे, राष्ट हित के लिए कार्य करें इसी भाव को लेकर हम सब समाज के बीच कार्य करें। कार्यक्रम में देवपुर खंड के खंड कार्यवाह श्री हटे सिंह जी राजपूत एवं सभी 17 मंडलों के स्वयंसेवक उपस्थिति रहे।

सीरवी समाज होसा रोड आईमाता वडेर में वर्तधारियों ने हवन में दी आहुतियां

दैनिक पुष्पाजंली टुडे / नारायणलाल सेंणचा

बेंगलूरू .सीरवी समाज ट्रस्ट होसारोड वडेर में नवरात्री हवन अष्टमी पर अखंड उपवास करने वाले वर्तधारी तपस्वीयों का समाज द्वारा स्वागत किया गया। संस्था के सचिव सत्यनारायण चोयल ने बताया कि सुबह आईमाताजी के मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना व आरती के पश्चात आईमाता की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर मंत्रोचार के साथ पंडित माणक महाराज के मार्गदर्शन में विधिविधान पूर्वक हवन कार्य पूर्ण कर पूर्णाहुति की गयी। जिसमें अखंड उपवास करने वाले तपस्वी सत्यनारायण चोयल, देवाराम सोलंकी, जसाराम पंवार, पूजा चोयल, मनीषा काग ने यज्ञ में आहुति देकर धर्मलाभ अर्जित किया।इस अवसर पर वडेर के अध्यक्ष कानाराम पंवार ने स्वागत किया। इस मौके पर संस्था के उपाध्यक्ष कुनाराम काग, पूर्व अध्यक्ष मालाराम मुलेवा, कोषाध्यक्ष मांगीलाल सेंणचा , तुलसाराम लखावत एवं समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। ये जानकारी सीरवी समाज होसा रोड रायसंन्द्रा के नवयुवक मंडल के पूर्व अध्यक्ष देवाराम सोलंकी ने दी।

रास गरबे में सौभाग्य ने जमाया रंग, मिला बेस्ट एनर्जेटिक परफॉमेंस प्राइज

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर

सिरोंज।शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर स्कूल ग्राउंड में यथार्थ गुगनानी और उनकी टीम ने शानदार रास गरबे का दो दिवसीय आयोजन किया। तो वही गरबे में वरिष्ठ पत्रकार सतेन्द्र सिंह परिहार के पुत्र सौभाग्य सिंह परिहार को बेस्ट एनर्जेटिक परफॉमेंस के लिए पुरुष्कर्त किया गया। गरबा आयोजन में कशिश अक्षय तातेड़ द्वारा सौभाग्य को पुरुष्कार प्रदान करते हुए उनके प्रदर्शन की सराहना भी की गई। गरबे में दोनो दिन बड़ी संख्या में महिला पुरुष बच्चों ने हिस्सा लेकर अपने हुनर का प्रदर्शन किया और एक से बड़कर एक वेशभूषा में सजे श्रद्धालु देवी भजनो और गीतों पर डांडिया हाथो में लेकर झूमते नजर आ रहे थे।

नवदुर्गा उत्सव समिति नचनौरा द्वारा विधि विधान से की जा रही मां दुर्गा की पूजा अर्चना

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

नवदुर्गा उत्सव समिति नचनौरा द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी मां दुर्गा का प्रतिमा रख बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है मां भगवती का त्योहार नवदुर्गा उत्सव समिति नचनौरा द्वारा विगत 10 वर्ष से बजरंगबली मंदिर के पास मां भगवती दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर 9 दिन मां भगवती दुर्गा की

पूजा अर्चना और रात्रि जागरण कर रहे है मां दुर्गा उत्सव समिति नचनौरा पुजारी बालकुमार त्रिपाठी सरपंच योगेंद्र शुक्ला पत्रकार राजेश तिवारी सुरेंद्र त्रिपाठी विकास सिंह कौशलेंद्र सिंह आदर्श सिंह प्रसू सिंह विपिन द्विवेदी आशु त्रिपाठी अजीत त्रिपाठी राकेश तिवारी बेटा लाल द्विवेदी सूर्यवली द्विवेदी अमित द्विवेदी सहित ग्रामीण मां भगवती दुर्गा की कर रहे पूजा अर्चना

चा चोड़ी में 104 वर्ष का बुज़ुर्ग व्यक्ति करेगा मतदान बुज़ुर्ग का मतदान का जज्बा तो नव मतदाता जैसा

पुष्पांजलि टुडे संवाददाता पाली राजस्थान

चाचौड़ी। राजस्थान विधानसभा आम चुनाव 2023 मतदान मतदाता जागरूक अभियान के तहत मतदाताओं को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा हैं। चाचोड़ी गांव के भोमाराम माली बताते हैं। मेरे जीवन के 104 वर्ष देख चुका हूं। और कई बार मतदान कर विकास के कार्य को प्राथमिकता देने वाले प्रतिनिधि को चुनने में भागीदारी निभाई। इस बार स्वास्थ्य ठीक नहीं होने के कारण शायद में वोट देने नहीं जा पाऊंगा। 104 वर्ष के बुजुर्ग बताते हैं कि देश की आजादी से अब तक लोकसभा के आम चुनाव विधानसभा चुनाव पंचायत समिति चुनाव ग्राम पंचायत चुनाव या ग्राम सहकारी समिति चुनाव हो मेने हमेशा अपने मत का पूरा प्रयोग किया। लेकिन वरिष्ठ जन का जज्बा 18 वर्ष के नव मतदाताओं जैसा ही है बुजुर्ग व्यक्ति ने कहा कि प्रवासी राज्यों में काम करने वाले मेरे 2 बेटेऔर मेरे पौत्र को मतदान करने के लिए घर आने के लिए कह दिया है। । वह कहते हैं मतदान से हम उस व्यक्ति का चुनाव करते हैं जो हमारे सुख-दुख का सहभागी बनता है। सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत चा चोड़ी निवासी पेपी बाई नाई 101 वर्ष की हैं जब देश आजाद हुआ उस समय वे करीब 23 साल की थी वह कहती हैं आजादी के बाद पहली बार चुनाव होने पर हमें वोट देने को कहा गया। मैं अपने ससुराल में थी मुझे तो पता ही नहीं था कैसे वोट देते हैं मतदान केंद्र पर जाकर क्या करना है ।इसके बावजूद वोट देने गई वह बताती है

थाना उमरी में नगर सुरक्षा समिति की मीटिंग संपन्न

महेन्द्र शर्मा

भिण्ड विधानसभा चुनाव 2023 में पुलिस का सहयोग करने हेतु तथा सदस्यों को एक्टिव करने हेतु ली गई नगर रक्षा समिति की बैठकमीटिंग में थाना प्रभारी उमरी निरीक्षक रविंद्र शर्मा , उप निरी भान सिंह सिसोदिया द्वारा नगर सुरक्षा समिति के सदस्यों को एक्टिव रहकर पुलिस का सहयोग करने तक कंधे से कंधा मिलाकर ड्यूटी करने के लिए प्रेरित किया गयामीटिंग में नगर सुरक्षा समिति ब्लॉक कैप्टन राजकुमार ओझा, थाना कैप्टन अनाम दर्शी , सदस्य संतोष कुमार, नीरज जोशी, रामपवेश, राजवीर आदि उपस्थित रहे।

मेहगांव क्रॉप प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड लघु कृषक व्यापार संघ कृषि मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रोत्साहित

द्वारा महेंद्र सिंह पाल,(एक्सिस डेवलपमेंट सर्विस) हनुमत सिंह कमलेश सिंह (अध्यक्ष) रवि इंदौरिया परिमाल सिंह प्रतिभा , मालती, अशोक शर्मा किसानों को सरसों की मिनी किट नि-शुल्क वितरण की गई शेयर धारक को पायनियर 45स46 को दी गई आने वाली योजना का लाभ शेयर धारकों को मिलता रहेगा कंपनी में सदस्य बने बाजार के खरीदी के लिए भी बताया हम सब लोग मिलकर कंपनी द्वारा माल बेचेंगे तो किसानों को अधिक से अधिक फायदा होगा बीच के बिचौलियों से बचा जा सकता है कंपनी टू कंपनी माल दिया जाएगा जो फायदा होगा वह किसानों को ही होगा तो एक साथ मिलकर संगठित होकर इस कंपनी को आगे बढ़ने का प्रयास करें एफपीओ से जुड़े किसानों को मिट्टी परीक्षण का कार्य बीज उपचार का कार्य, सब्जी के बीज का फ्री में विवरण, खेती संबंधी विभिन्न प्रकार की जानकारी दी जाती है कंपनी का जन्म दिनांक 27.07.2016 मेहगांव में हनुमत सिंह के द्वारा गांव-गांव जाकर किसानों का समूह बनाकर समूह से निकले किसानों ने कंपनी बनाई आज अच्छे स्तर पर चल रही है

मतदान करना हमारा राष्ट्र धर्म, और अधिकार के साथ कर्तव्य भी है: जिला निर्वाचन अधिकारी

भिण्ड। मतदाता जागरूकता के लिये सैकड़ों की संख्या में एकत्रित हुए छात्र-छात्राओं, महिलाओं एवं नागरिकों ने एक साथ मिलकर कहा कि ÷हम सब करेंगे मताधिकार का प्रयोग÷। आज रविवार को मतदाता जागरूकता के लिये भिण्ड शहर के गौरी किनारे मतदाता जागरूकता दौड़ का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं, महिलाओं एवं हर वर्ग के नागरिक ने बड़-चड़ कर भाग लिया। जागरूक मतदाता होने के नाते यह भी उद्देश्य बनाया कि हम सब वोट करेंगे। साथ ही अन्य लोगों को भी वोट करने के लिए प्रेरित करेंगे। मतदाता जागरूकता दौड़ का शुभारंभ कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं स्वीप प्रभारी मनोज सरियाम एवं कर्नल जगदीश राव ने उपस्थित होकर सभी का उत्साह बड़ाया।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीवास्तव ने कहा कि मतदाता जागरूकता अभियान में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। युवा स्वयं वोट करें। और अपने परिवार, समाज तथा आसपास के क्षेत्रों के मतदाताओं को भी वोट करने के लिये जागरूक करें। मतदान करना हमारा राष्ट्र धर्म, अधिकार एवं कर्तव्य भी है। अधिक से अधिक मतदाताओं को अपना वोट देकर अपना प्रतिनिधि चुनना है और लोकतंत्र को सफल बनाना है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव ने उपस्थित सभी को मतदाता जागरूकता की शपथ का वाचन कराया जिसे सभी के द्वारा दोहराया गया। एकत्रित हुए शहर के युवा-युवतियों, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों ने एक साथ हाथ उठाकर कहा कि हम वोट करेंगे, स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव में भागीदार बनेंगे। साथ ही सभी ने शपथ ली कि मतदान में भिण्ड को अव्वल जिला बनायेंगे।

मतदाता जागरूकता दौड़ में भाग लेने के लिये भिंड की शान गौरी सरोवर किनारे प्रातः 7 बजे तक लोग एकत्रित हो गये। सभी ने पूरे उत्साह के साथ दौड़ में भाग लिया। इसमें जिले के विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के साथ ही महिलाओं की भी भागीदारी रही।

युवा हो या वरिष्ठ नागरिक सभी मतदाता जागरूकता के लिए कदम से कदम मिलाकर चले। सभी ने एक साथ यह संकल्प लिया कि इस बार विधानसभा निर्वाचन 2023 में मतदान का प्रतिशत बड़ाना है। अधिक से अधिक मतदाताओं को मताधिकार का उपयोग करने के लिए जागरूक करना है।

भेरून्दा मे भाजपा चुनाव कार्यालय का किरार समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष साधना सिंह चौहान ने किया फीता काटकर विधिवत शुभारंभ

भेरून्दा नसरुल्लागंज बुधनी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 156 के अंतर्गत आने वाले नगर भेरूदा में आज भाजपा प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान के चुनाव कार्यालय का शुभारंभ उनकी धर्मपत्नी किरार समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष साधना सिंह चौहान एवं उनके सुपुत्र कार्तिकेय सिंह चौहान द्वारा नगर के इंदौर रोड स्थित तिवारी काम्प्लेक्स में विधिवत फीता काट कर भाजपा चुनाव कार्यालय का शुभारंभ किया। उसके बाद चुनाव कार्यालय मे प्रवेश कर विधिवत पूजा अर्चना की , वही कार्यक्रम को संबोधित करते उन्होंने कहा कि मेरा सभी कार्यकर्ता बहन भाईयों से निवेदन है कि चुनाव का बिगुल बच चुका है। आज चुनाव कार्यालय का विधिवत शुभारंभ भी हो गया है ।अब आप बिल्कुल पूरे ध्यान से चुनाव प्रचार में लग जाए और यह चुनाव को हल्के में बिल्कुल ना लें सभी मतदाताओं के घर जाएं और आपके भैया ने जो जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई है। जिसे हर आम नागरिक को लाभ मिला है ,मै मानती हूं कि कहीं एक दो योजनाओं का लाभ न मिला हो लेकिन ज्यादातर सभी को योजनाओं का लाभ मिला है।मेरा सभी कार्यकर्ताओं से निवेदन है । मध्य प्रदेश में 229 विधानसभा में से बुधनी विधानसभा का रिजल्ट नंबर वन आए इसी आशा के साथ में आपके पास आई हूं। हम सब मिलकर चुनाव लड़ेंगे और ज्यादा से ज्यादा वोटो से जीतेंगे। इस समय त्यौहार का समय चल रहा है। त्यौहार तो हर साल आते हैं। अभी नवरात्रि चल रही है, दशहरा आएगा दीपावली आएगी लेकिन चुनाव 5 साल में एक ही बार आता है। हमें सब कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर चुनाव लड़ना है।

मुरवास में हुआ महा आरती का आयोजन,श्रद्धा व भक्ति भाव के साथ की जा रही शक्ति की आराधना

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज।नगर साहित ग्रामीण अंचलों में शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मां दुर्गा की आराधना भक्तों के द्वारा की जा रही है श्रद्धालु मुरवास में अनेक स्थानों पर मां जगत जननी मां दुर्गा की विभिन्न रूपों की प्रतिमाओं की स्थापना झांकी आयोजन समिति के द्वारा बड़े-बड़े पांडालो में विराजित की गई जहां पर माता रानी की आरती पूजन भजन आदि अनुष्ठान संपन्न किए जा रहा है मुरवास में बस स्टैंड थाने के सामने, सामुदायक भवन पनिया चौक, माता मोहल्ला, कटारमल भैरों मंदिर, पर आकर्षक प्रतिमाओं की स्थापना की गई माता रानी की आराधना किए जाने को लेकर भक्तों में काफी उत्साह देखा जा रहा है नगर के देवी पांडालों पर आकर्षक सजावट की गई नगर के विभिन्न स्थानों पर बनाए गए देवी पांडालों मैं विराजित मां दुर्गा की प्रतिमाओं के दर्शन करने के लिए देर शाम होते ही सैकड़ो की संख्या में देवी दर्शन करने के लिए श्रद्धालु देवी पंडालों में पहुंचते हैं

निकाली गई चुनरी यात्रा-नगर मुरवास में स्थित सामुदायक भवन पनिया चौक पर विराजी मां दुर्गा पंडाल से चुनरी यात्रा को प्रारंभ की चुनरी यात्रा नगर के राम जानकी मंदिर माता मोहल्ला बस स्टैंड झांकी पर निशान चढ़ाया और चुनरी यात्रा समुदायक भवन पनिया चौक पर समापन कर माता रानी को चुनरी चढ़ाई गई

देवी पंडाल में की गई माता रानी की महाआरती-माता रानी की महा आरती लगभग 9-00 बजे प्रारंभ हुई जिसमें सैकड़ो की संख्या में माता-बहने बुजुर्ग छोटे-छोटे बच्चे एवं आसपास के गांव की भक्ति भी माता रानी की आरती में माता बहने अपने-अपने घर से बहुत

सुंदर थाली सजा कर माता रानी की आरती होने के बाद छोटे-छोटे बच्चों द्वारा आकर्षक झांकी बताई गई जिसमें बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए श्रद्धालुओं ने ताली बजाकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया साथ ही श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की

माता रानी की आरती में सबसे सुंदर थाली सजाई प्रतियोगिता रखी-माता रानी की आरती में सभी माता बहने अपने-अपने घर से बहुत ही सुंदर-सुंदर थाली सजाकर लेकर आई जिसमें सबसे सुंदर थाली सजा का लाइव माता बहनों को प्रथम द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिया गया तीनों पुरस्कार में माता रानी की तस्वीर समिति द्वारा भेंट की गई

आकर्षण का केंद्र बनी छोटी-छोटी कन्या बनी नौ देवियां-श्री नव दुर्गा उत्सव समिति बस स्टैंड मुरवास में स्थित देवी पंडाल में महाआरती के दौरान छोटी-छोटी कन्या को नौ रूपों की देवियां बनाई जिनका मुरवास थाना प्रभारी बी.डी सिंह, एएसआई जगदीश भिलाला द्वारा पंडाल में नौ देवियों को फूल माला व टीका लगाकर एवं चुनरी उड़कर नौ देवियों की पूजा की एवं पांडाल में स्थित देवी प्रतिमा की पूजन व आरती की

संपादकीय

मान्यता से इनकार

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया है, लेकिन कोर्ट के फैसले ने इस विमर्श को आगे बढ़ाया है। कोर्ट की मंशा है कि समाज में समलैंगिक समाज का उत्पीड़न रोकना सरकारों का दायित्व है। साथ ही केंद्र व राज्य सरकारें उनके जीवन के लिये जरूरी सुविधाएं देने में सकारात्मक भूमिका निभाएं। पीठ का नेतृत्व कर रहे मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने स्पष्ट किया कि अदालत यह कानून नहीं बना सकती। वह इसकी व्याख्या कर सकती है और उसे लागू कर सकती है। उनका कहना था कि स्पेशल मैरिज एक्ट में संशोधन का दायित्व संसद पर था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह फैसला एलजीबीटीक्यूआईए समुदाय के सदस्यों को रिश्तों में प्रवेश करने के अधिकार से नहीं रोकेगा। साथ ही अदालत ने केंद्र, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि इस समुदाय के साथ किसी भी तरह का भेदभाव न हो। कोर्ट के इस नजरिये के चलते ही केंद्र सरकार ने एक समिति बनाने का फैसला किया है जो समलैंगिक संघों में शामिल व्यक्तियों के अधिकारों पर विचार-विनिमय करेगी। दरअसल, केंद्र सरकार इस विवाह को कानूनी मान्यता देने के पक्ष में नहीं थी। इतना ही नहीं इस विवादास्पद मामले में कई पहलुओं को लेकर न्यायाधीशों में भी असहमति थी। वहीं पीठ ने स्पष्ट किया कि विवाह किसी व्यक्ति का मौलिक अधिकार नहीं है। वहीं दूसरी ओर समलैंगिक जोड़ों के बच्चे गोद लेने के अधिकार पर भी कोई सहमति नहीं थी। समलैंगिक संगठन हालांकि, इस फैसले से निराश तो हैं लेकिन वे इस बात को अपनी उपलब्धि मानते हैं कि अदालत ने समलैंगिक जोड़ों को सामाजिक भेदभाव, उत्पीड़न और उपहास से बचाने के निर्देश केंद्र व राज्यों को दिये। साथ ही कोर्ट ने इस वर्ग के अधिकारों के प्रति जनता को जागरूक करने पर भी बल दिया। बहरहाल, समलैंगिक विवाह को मान्यता के सवाल को शीर्ष अदालत ने संसद के जिम्मे छोड़ दिया है। लेकिन इस मुद्दे पर समाज में राय बनाने की जरूरत है कि समलैंगिकता एक बायोलॉजिकल स्थिति है। दरअसल, यह विषय भारतीय समाज में खासा विवादास्पद रहा है। एक वर्ग भारतीय संस्कृति का हवाला देकर इसे एक प्रकार की मानसिक विकृति बताता रहा है। केंद्र सरकार की ओर से भी इसे कुछ शहरी लोगों का शगल बताया गया और कहा गया कि ग्रामीण भारत में ऐसी स्थिति नजर नहीं आती। जिसके जवाब में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का कहना था कि समलैंगिकता शहरों तक सीमित नहीं है, गांव में खेत पर काम करने वाली महिला भी ऐसा दावा कर सकती है। बहरहाल, इस दौरान विशेष विवाह अधिनियम की संवैधानिकता को लेकर भी सवाल उठे। वहीं दूसरी ओर कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि समलैंगिकों को दिये जाने वाले अधिकारों और लाभों की पहचान करने के लिये कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाला पैनल बने। जिसके बाद इनके संयुक्त बैंक खाते खोलने, बीमा पॉलिसियों में भागीदारी, पेंशन व पीएफ के लाभों पर विचार हो सके। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में समलैंगिक रिश्तों को प्रतिबंधित करने वाली धाराएं सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी थीं। जिसके पांच वर्ष बाद समलैंगिकों के विवाह को मान्यता देने का मामला शीर्ष अदालत के पास आया। बहरहाल, इस मामले में शीर्ष अदालत ने संवैधानिक लिहाज से अपनी सीमा का सम्मान किया। यह यक्ष प्रश्न है कि क्या संसद खुद पहल करके इस मामले में कोई कानून बनाती है? इस मामले में जो कानूनी बाधाएं हैं क्या उन्हें दूर किया जाएगा? हालांकि, केंद्र सरकार का इस मामले में साफ कहना रहा है कि वह समलैंगिक शादियों को कानूनी मान्यता के पक्ष में नहीं है क्योंकि इससे कई तरह की कानूनी जटिलताएं पैदा होंगी। वह इसे शहरी अभिजात्य वर्ग की अवधारणा मानती रही है। उल्लेखनीय है कि दुनिया में इस विवाह को मान्यता देने की शुरुआत वर्ष 1989 में हुई और आज दुनिया के 34 देशों में इसे मान्यता है।

'गाजा' की चुनौती और 'बाइडेन'

इजरायल ने उत्तरी गाजा के 11 लाख नागरिकों का बिजली, पानी, रसद व ईंधन बन्द कर दिया है जिसकी वजह से इस क्षेत्र में मानवीय संकट बढ़ता जा रहा है। इसके साथ ही इजरायल विश्व संगठनों द्वारा गाजा के लोगों को भेजी जा रही मदद सामग्री को गाजा में प्रवेश भी नहीं दे रहा है जिसकी वजह से मानव अधिकारों के लिए काम करने वाली संस्थाओं की चिन्ता बढ़ती जा रही है।

पश्चिम एशिया में फिलिस्तीनी गाजा में जिस तरह के हालात बनते जा रहे हैं उनसे अब वैश्विक स्तर पर दुनिया के विभिन्न देशों के बीच भी रंजिश बढ़ने का खतरा पैदा होता जा रहा है। गाजा में गत रात्रि जिस तरह इजरायली हमले के दौरान एक अस्पताल पर राकेट गिरने से 500 निरीह बीमार स्त्री-पुरुषों व बच्चों की जान गई है उसने मानवीय त्रासदी को जन्म देकर जारी युद्ध को 'युद्ध अपराध' की श्रेणी में रख दिया है। हालांकि इजरायल कह रहा है कि अस्पताल पर उसकी तरफ से छोड़े गये राकेटों ने हमला नहीं किया बल्कि ये राकेट हमास के ही थे जो निशाना चूक गये थे जबकि हमास का कहना है कि यह काम इजरायली सेना का ही है। विगत 7 अक्तूबर को इजरायल पर हमास ने जो हमला किया था उसमें 1300 से ज्यादा इजरायली नागरिकों की मृत्यु हुई और हमास ने दो सौ नागरिकों को बन्धक भी बनाया। इसके जवाब में इजरायली सेना ने जवाबी हमला गाजा क्षेत्र में किया जिसमें अभी तक तीन हजार लोग हलाक हो चुके हैं। इजरायल ने हमास के आतंकवादी हमले का बदला लेने के लिए पूरे गाजा क्षेत्र को अपने निशाने पर लिया और इसमें भी उत्तरी गाजा के इलाकों को जहां हमास अपने लाव-लश्कर के साथ सक्रिय है। इजरायल के प्रधानमन्त्री एलानिया तौर पर हमास को सबक सिखाने के लिए उत्तरी गाजा के लोगों से कह रहे हैं कि वे इस इलाके को खाली करके दक्षिणी गाजा की तरफ चले जायें क्योंकि इजरायली फौजें अपने टैंकों पर सवार होकर हमास को नेस्तानाबूद करेंगी। इस हिंसा के चक्र के चलने के बाद गाजा के निहत्थे नागरिक बेघर-बार हो रहे हैं और उनकी जान की बाजी लगा कर इजरायल व हमास अपना बदला ले रहे हैं। इजरायल ने उत्तरी गाजा के 11 लाख नागरिकों का बिजली, पानी, रसद व ईंधन बन्द कर दिया है जिसकी वजह से इस क्षेत्र में मानवीय संकट बढ़ता जा रहा है। इसके साथ ही इजरायल विश्व संगठनों द्वारा गाजा के लोगों को भेजी जा रही मदद सामग्री को गाजा में प्रवेश भी नहीं दे रहा है जिसकी वजह से मानव अधिकारों के लिए काम करने वाली संस्थाओं की चिन्ता बढ़ती जा रही है। इसके समानान्तर इजरायल ने सीरिया के दो हवाई अड्डों पर हमला करके उसे युद्ध से दूर रहने की चेतावनी दे दी है परन्तु इसकी सीमा से लगे दूसरे देश लेबनान में सक्रिय हिजबुल्लाह संगठन ने इजरायल पर राकेट दागे हैं जिसका जवाब इजरायल ने भी दिया है। साथ ही ईरान घोषणा कर रहा है कि इजरायल गाजा की जनता पर जुल्म करने से बाज आये वरना उसके परिणाम भयंकर होंगे। पिछले

चार दिनों में उत्तरी गाजा के छह लाख लोग दक्षिण की ओर कूच कर गये हैं और इस मानवीय त्राजली के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन इजरायल पहुंचे हैं। अमेरिका ने पहले ही दिन घोषणा कर दी थी कि वह हमास के हमले से जख्मी हुए इजरायल के साथ डट कर खड़ा हुआ है। उसने अपने दो जंगी जहाजी बेड़ों को भी इलाके के भूमध्यसागर में तैनात कर दिया और लड़ाकू विमानों को भी इजरायल की मदद के लिए तैयार कर दिया। अब सवाल यह है कि इस युद्ध में सामान्य नागरिकों की मृत्यु को रोकने के लिए क्या किया जाये? यह युद्ध अन्तर्राष्ट्रीय नियमों के तहत नहीं लड़ा जा रहा है और अस्पताल तक इसकी जद में आ रहे हैं। गाजा में बस्तियों की बस्तियां जमीदोज हो रही हैं और लोग रोटी-पानी व इलाज के लिए तरस रहे हैं। अतः सबसे पहले बाइडेन साहब को यह देखना होगा कि युद्ध को मानवीय संकट खड़ा करने से रोका जाये और बदला केवल हमास व इजरायली फौज के बीच ही हो। यह भी समझने की जरूरत है कि इजरायल व फिलिस्तीन की समस्या की जड़ में कोई धार्मिक मसला नहीं है बल्कि जमीन के मालिकाना हुकूक की समस्या है क्योंकि अरब फिलिस्तीनी जमीन पर ही 1948 में एक अलग स्वतन्त्र देश बनाया गया था जिसे 'इजरायल' कहा गया। भारत ने इसे 1950 में मान्यता प्रदान की और 1992 में इसके साथ राजनयिक सम्बन्ध स्थापित किये। भारत दुनिया भर में शस्त्रों की होड़ के खिलाफ और विश्व शान्ति का पक्षधर रहा। भारत मानता है कि हर देश को अपनी रक्षा करने का अधिकार है मगर किसी भी देश के लोगों का अपनी जमीन पर भी अधिकार होता है। इसी वजह से यह एक स्वतन्त्र व संप्रभु फिलिस्तीन राष्ट्र के हक में शुरू से ही रहा है। प्रधानमन्त्री श्री मोदी का ताजा हालत पर यह कहना कि मानवीय हितों का संरक्षण हर हाल में किया जाना चाहिए बताता है कि भारत हर मसले का शान्तिपूर्ण ढंग से हल चाहता है परन्तु यह समय है कि अमेरिका समेत सभी पश्चिमी देशों को इस क्षेत्र में शान्ति बनाये रखने के लिए अपने सद प्रयास करने चाहिए और किसी स्थायी हल की तरफ चलना चाहिए। क्योंकि राष्ट्रपति बाइडेन के साथ जार्डन, मिस्र व फिलिस्तीनी प्रमुखों ने अपनी बैठक को स्थगित कर दिया है।

राहुल गांधी का अदानी पर नया हमला

यह आरोप लगाकर कि केन्द्र सरकार द्वारा देशवासियों को महंगी बिजली बेचने का उद्देश्य गौतम अदानी को फायदा पहुंचाना है, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मुश्किल में डाल दिया है। मोदी और अदानी के रिश्तों को लेकर राहुल पिछले लम्बे समय से अनेक खुलासे करते आ रहे हैं जिसके चलते मोदी समेत पूरी भारतीय जनता पार्टी की भरपूर किरकिरी हो चुकी है। यह मामला न केवल भारत में वरन विदेशों में भी गूंज रहा है। संसद के भीतर हो या बाहर, राहुल और उनकी पार्टी इस मुद्दे को लेकर मोदी की घेराबन्दी करती आ रही है। नये आरोप यानी मोदी-भाजपा की नयी मुसीबत। बुधवार को राहुल गांधी ने दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रसिद्ध अखबार शफाइनेंशियल टाइम्सश में छपी एक रिपोर्ट का हवाला देकर आरोप लगाया कि अदानी ने 12 हजार करोड़ रुपये का घोटाला किया है। उनका यह भी कहना था कि अदानी की वजह से ही देशवासियों को महंगी बिजली मिलती है। उनके मुताबिक अदानी इंडोनेशिया से कोयला खरीदते हैं और उसका भाव हिन्दुस्तान में दोगुना हो जाता है। अदानी कोयले की कीमत को गलत दिखाते हैं। कांग्रेस नेता का कहना है कि श्लोग जैसे ही बिजली का स्विच ऑन करते हैं, अदानी की जेब में पैसा जाता है। अदानी की रक्षा भारत के प्रधानमंत्री कर रहे हैं। दुनिया के बाकी देशों में जांच हो रही है लेकिन भारत में अदानी को कोरा चेक दिया गया है। अदानी जो चाहे कर सकते हैं। राहुल का साफ कहना था कि लोग 12 हजार करोड़ रुपये का यह आंकड़ा याद रखें। उन्होंने सवाल किया- श्पीएम अदानी की जांच क्यों नहीं कराते? उल्लेखनीय है कि राहुल पिछले वर्ष कन्याकुमारी से कश्मीर तक निकाली अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कई बार मोदी व अदानी के बीच सांठ-गांठ का आरोप लगाते रहे। इतना ही नहीं, लोकसभा में भी उन्होंने इस मामले को दमदार तरीके से उठाया था। अदानी के हवाई जहाज में बैठकर प्रधानमंत्री पद के शपथ ग्रहण के लिये दिल्ली आ रहे मोदी की तस्वीर भी उन्होंने संसद में लहराई थी। इसके चलते खूब हंगामा हुआ था। उनके भाषणों के वे हिस्से विलोपित कर दिये गये थे, जिनमें राहुल ने मोदी-अदानी के रिश्तों तथा इस व्यवसायी के कथित घोटालों की पोल खोली थी। इस सबके चलते गुजरात की एक कोर्ट में 2019 के चुनाव प्रचार के दौरान दिये गये एक भाषण को आधार बनाकर राहुल के खिलाफ दाखिल अवमानना मामले की आनन-फानन में सुनवाई कर उन्हें दो साल की सजा दिला दी गई थी। उतनी ही तेज गति से उनकी लोकसभा की सदस्यता छीन ली गई थी। करीब चार माह सदन से बाहर रहने के बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी सजा पर लगाई गई रोक से सदस्यता बहाल हुई थी। वैसे सदन के भीतर, सदस्यता के निलम्बन के दौरान, वापस आने के बाद और तत्पश्चात सदन के बाहर राहुल की अदानी को लेकर घेराबन्दी हमेशा जारी रही। मोदी उसी कड़ी के रूप में अब यह नयी रिपोर्ट आई है जिसके आधार पर राहुल ने ताजा हमला बोला है। निश्चित है कि इससे मोदी और केन्द्र सरकार पर नये सवालिया निशान उठेंगे। फिर, मोदी पर राहुल का नया आक्रमण ऐसे वक्त पर हो रहा है जब पांच

शासनकाल में दुनिया के दूसरे सबसे अमीर बने अदानी को लेकर हिन्डनबर्ग की रिपोर्ट ने मोदी व अदानी को संकट में तो डाला ही था, राहुल को और भी हमलावर बना दिया। उनके बयानों तथा अदानी पर उनके आरोपों की एक तरह से पुष्टि पहले हिन्डनबर्ग रिपोर्ट से हुई। पहले भी प्रतिष्ठित समाचारपत्र फाइनेंशियल टाइम्स ने अदानी को लेकर बड़े खुलासे किये थे। राज्यों की विधानसभाओं के लिये अगले महीने चुनाव होने जा रहे हैं। भाजपा ये सभी चुनाव मोदी के चेहरे पर लड़ रही है जिनमें उन्हें एक सफल व साफ-सुथरी छवि का नेता के रूप में प्रोजेक्ट किया जा रहा है, वैसे ही जिस प्रकार से पिछले एक दशक से होता आया है। हालांकि उनकी यह छवि पहले ही काफी कुछ दरक चुकी है। साथ ही वे सभी मोर्चों पर पूर्णतः नाकाम प्रधानमंत्री भी साबित हो चुके हैं। फिर भी सरकार व संवैधानिक संस्थाओं पर अपनी मजबूत पकड़, संगठन पर एकाधिकार तथा पिछलग्गू मीडिया के बल पर वे अपनी छवि को कथित रूप से यशस्वी पीएम की बनाये रखने की कोशिश करते हैं। ऐसे वक्त में जब मोदी के नेतृत्व में भाजपा हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक में चुनाव हार चुकी है और भाजपा पर भ्रष्टाचारियों के साथ मिलकर राज्य की सरकारें बनाने के आरोप हैं, राहुल के नये आरोपों से मोदी की परेशानियां बढ़ना तय है। पहले ही यह माना जा रहा है कि राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम के विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत की गुंजाइश शून्य है, जिसका असर अगले साल के मध्य में होने जा रहे लोकसभा चुनावों पर पड़ेगा। राहुल के इन आरोपों में अगर विपक्षी गठबन्धन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूजिव एलाएंस) ने भी अपने सुर मिलाए तो इसकी गूंज निश्चित ही दूर तलक जाएगी। मोदी व भाजपा को होने वाला नुकसान केवल 5 राज्यों तक सीमित न रहकर सभी तरफ होगा। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक पहले ही कह चुके हैं कि अदानी का पैसा दरअसल मोदी का पैसा है और मोदी व भाजपा 2024 का चुनाव अदानी की वजह से हारेंगे।' क्या मलिक की बात सच साबित होने जा रही है? संकेत तो ऐसे ही दिखते हैं।

पुतिन-जिनपिंग की गलबहियां

आदित्य नारायण

इस समय विश्व के हालात अच्छे नहीं हैं। एक तरफ रूस-यूक्रेन युद्ध जारी है तो दूसरी तरफ इजरायल-हमास के बीच घमासान मचा हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के इजरायल पहुंचने से पहले ही रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने बीजिंग पहुंचकर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात कर ली है। पुतिन और जिनपिंग की मुलाकात एक हाई प्रोफाइल शो की तरह हुई जिस पर दुनिया की नजरें लगी हुई थीं। दोनों नेताओं की बातचीत में मिडिल ईस्ट का संकट केन्द्र बिन्दु में रहा। दोनों देशों ने ही इजरायल के एक्शन की आलोचना की। रूस और चीन युद्ध विराम चाहते हैं। यद्यपि कहा यही जा रहा है कि इस मुलाकात का मकसद अमेरिका के खिलाफ दोनों देशों की साझेदारी को मजबूत करना है। हाल ही के वर्षों में रूस-चीन संबंध लगातार गहरे होते जा रहे हैं। पुतिन और जिनपिंग ने व्यक्तिगत मित्रता भी स्थापित कर ली है। पुतिन वन बैल्ट,वन रोड पहल की दसवीं वर्षगांठ के मौके पर हिस्सा लेने चीन पहुंचे हैं। यह पहली बार है कि पुतिन ने इस साल पूर्व सोवियत संघ के बाहर किसी देश का दौरा किया है। चीन और रूस ने फरवरी 2022 में 'नो लिमिट' साझेदारी का ऐलान किया था। इसके कुछ दिन बाद ही पुतिन ने यूक्रेन पर हमले का ऐलान किया। अमेरिका चीन को अपना सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी मानता है और साथ ही रूस को वह अपना सबसे बड़ा खतरा मानता है। यह बात किसी से छिपी हुई नहीं है कि पुतिन और जिनपिंग ने मिलकर दुनिया का सबसे ताकतवर अघोषित गठबंधन बना लिया है। दुनिया के सबसे ज्यादा परमाणु बमों के मालिक देशों का एक-दूसरे के करीब आने का अर्थ बहुत गहरा है। यद्यपि चीन-रूस की दोस्ती बड़ी जटिल रही है। दोनों देश कभी एक-दूसरे के घमित्र तो कभी दुश्मन रहे हैं। रूस और चीन की लव रिलेशनशिप को भारत के लिए खतरा माना जा रहा है। पश्चिमी देश रूस के घखिलाफ हैं और चीन रूस के गले में बांहें डालकर खड़ा है। रूस भारत का परखा हुआ मित्र है और रूस ने हमेशा संकट के दौर में भारत का साथ दिया है। रूस से दोस्ती के चलते ही भारत ने यूक्रेन-रूस युद्ध पर तटस्थ रुख अपनाया और एक बार घ्भी रूस की निंदा नहीं की। इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि पुतिन इस समय दुनिया के नक्शे में अपनी छवि सुधारने का प्रयास कर रहे हैं। बीजिंग में 140 देशों से आए प्रतिनिधियों के बीच पुतिन की मौजूदगी दुनिया में उनकी छवि को बेहतर कर सकती है जो यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में पूरी तरह से अलग-थलग पड़ी हुई है। पुतिन ने भारत में पिछले महीने हुए जी-20 शिखर सम्मेलन में भी हिस्सा नहीं लिया। भारत निश्चित तौर पर इस बात से असहज है कि रूस और चीन करीब आ रहे हैं। इन रिश्तों की वजह से भारत को आशंका है कि चीन एकपक्षीय कार्रवाई करके भारत के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य दबाव बढ़ा सकता है। भारत चीन से निबटने के लिए सेना को मजबूत करने में लगा है। मगर सैन्य आपूर्ति के लिए उसी रूस पर निर्भर है जो अब चीन के करीब हो रहा है। रूस अब चीन का जूनियर पार्टनर है और यह बात भारत को कहीं न कहीं खलती होगी। रूस पर हथियारों की निर्भरता ने इस पूरे मुद्दे को बहुत ही जटिल बना दिया है। यूक्रेन को लेकर भारत की स्थिति ने अमेरिका और यूरोप के साथ करीबी को मुश्किल में डाल दिया है। भारत चीन की वन बैल्ट,वन रोड परियोजना से भी परेशान है। इस परियोजना के जरिये चीन भारत की घेराबंदी कर रहा है, इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत-मध्यपूर्व यूरोप गलियारे का प्रस्ताव दिया था जिसे वन बैल्ट,वन रोड परियोजना का तोड़ माना जा रहा है। रूस ने युद्ध काल में हमेशा भारत का साथ दिया। 1971 की लड़ाई में अमेरिका ने जब बंगाल की खाड़ी में अपना बेड़ा भेजा तो उसको रोकने के लिए रूस ने अपना जंगी बेड़ा भी भेज दिया था। भारत हथियारों के मामले में रूस पर निर्भर रहा। करीब तीन दशक पहले भारत ने रूस के साथ हाथ मिलाया था। दूसरी ओर चीन ने खुद को दुनिया में बहुक्षीय ताकत के तौर पर आगे बढ़ाना शुरू कर दिया था। यह नया चीन और रूस का गठबंधन यूक्रेन में पुतिन की आक्रामकता के बाद और जटिल हो गया है। जंग की वजह से कमजोर हुआ रूस चीन के लिए किसी दौलत की तरह होगा। यही बात भारत के लिए परेशानी का सबब बन सकती है।

कच्चा तेल 94 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। इजरायल-हमास संघर्ष के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में तेजी का रुख है। पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड उछलकर 94 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 91 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.87 डॉलर यानी 0.94 फीसदी की उछाल के साथ 93.25 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 1.22 डॉलर यानी 1.37 फीसदी बढ़कर 90.59 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

मौद्रिक नीति को सक्रिय रूप से मुद्रास्फीति पर लगाम लागानी चाहिए, RBI गवर्नर ने कही ये बात

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को इस बात पर जोर दिया कि मौद्रिक नीति को सक्रिय रूप से मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने वाली होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके ऐसा होने से ही जुलाई में 7.44 प्रतिशत के उच्चतम स्तर से मुद्रास्फीति में गिरावट सुचारू रूप से जारी रही।

अपने संबोधन में, गवर्नर दास ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने आने वाली बहुमुखी चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की और इन जटिलताओं के बीच नीति निर्माण में आवश्यक जटिल संतुलन पर जोर दिया। 'कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2023' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मूल्य स्थिरता तथा वित्तीय स्थिरता एक-दूसरे के पूरक हैं और आरबीआई ने दोनों को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने का प्रयास किया है। सब्जियों तथा ईंधन की कीमतों में नरमी के कारण सितंबर में सालाना आधार पर खुदरा मुद्रास्फीति घटकर तीन महीने के निचले स्तर 5.02 प्रतिशत आ गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति अगस्त में 6.83 प्रतिशत और सितंबर 2022 में 7.41 प्रतिशत थी। जुलाई में मुद्रास्फीति 7.44 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। मुद्रास्फीति पर काबू पाने के लिए रिजर्व बैंक ने इस साल फरवरी में नीतिगत दर में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। इससे पहले, पिछले साल मई से लेकर कुल छह बार में रेपो दर में 2.50 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। गवर्नर ने कहा, ''हमने नीतिगत दर पर रोक बरकरार रखी है। अब तक 2.50 प्रतिशत की वृद्धि वित्तीय प्रणाली के जरिए अब भी काम कर रही है...।'' उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान से मौद्रिक नीति का असर तेजी से और प्रभावी रूप से दिखने लगा है। दास ने इस बात पर भी जोर दिया कि मौद्रिक नीति हमेशा चुनौतीपूर्ण रहती है और इसमें आत्मसंतुष्ट होने की कोई बात नहीं है गवर्नर ने अपने भाषण में कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अब तीन चुनौतियों मुद्रास्फीति, धीमी वृद्धि और वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम का सामना कर रही है।

टेस्ला के कमजोर नतीजों का दुनिया के सबसे अमीर शख्स की संपत्ति पर असर, 16 अरब डॉलर की आई गिरावट

वाशिंगटन। तीसरी तिमाही में टेस्ला की कमजोर आय के कारण एलन मस्क की संपत्ति में 16.1 अरब डॉलर की गिरावट आई। मस्क 209.6 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। वे टेस्ला के 13त्न शेयरों के मालिक हैं और ऑटो कंपनी से अपनी अधिकांश संपत्ति प्राप्त करते हैं। तिमाही नतीजों में आय और बिक्री दोनों मालों में उम्मीदों से चूकने के बाद टेस्ला के शेयरों में 9.3फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। आय से जुड़े आंकड़े जारी करने के बाद के बाद एक कॉन्फ्रेंस मस्क ने बार-बार उपभोक्ता विश्वास पर उच्च ब्याज दरों के असर का उल्लेख किया। इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में इस साल पहली तिमाही गिरावट दर्ज की गई और कंपनी ने 435,059 वाहनों की आपूर्ति की, जबकि कंपनी द्वारा बार-बार अपनी कारों की कीमतों में कटौती किए जाने के बाद उसका मार्जिन चार साल में सबसे कम हो गया। फिर भी, मस्क की संपत्ति 2023 में 70 अरब डॉलर से अधिक बढ़ी है, साथ ही बिगड़ते बुनियादी आंकड़ों के बावजूद इस साल टेस्ला के शेयरों में मजबूती लौटी है।

पीएम गतिशक्ति मंच से केंद्र के 39 मंत्रालय, 36 राज्य और संघ शासित प्रदेश जुड़े

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के 39 मंत्रालय और सभी 36 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश पीएम गतिशक्ति मंच से जुड़ गए हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि 13 अक्टूबर, 2021 को पीएम गतिशक्ति की शुरुआत के बाद से भारत सरकार के 39 मंत्रालय और सभी 36 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश इस मंच से जुड़ गए हैं। मंत्रालय के मुताबिक पीएम गतिशक्ति की शुरुआत 13 अक्टूबर, 2021 को हुई थी। सरकार ने एकीकृत बुनियादी ढांचे के विकास के जरिए लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने के लिए पीएम गतिशक्ति पहल शुरू की है।

मंत्रालय ने बताया कि उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने 18 अक्टूबर को पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान पर क्षमता निर्माण के लिए डिजिटल लर्निंग संसाधनों के विकास पर एक कार्यशाला आयोजित की थी। इस कार्यशाला में वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वित्त मंत्रालय के लिए विकसित पीएम गतिशक्ति में सीबीआईसी (केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड) की भूमिका' पर एक प्रशिक्षण मॉड्यूल लॉन्च किया।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
सत्यमेव जयते

इस मौके पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने जीवन जीने में आसानी और व्यापार करने में आसानी बढ़ाने के लिए साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने में पीएम गतिशक्ति की भूमिका पर प्रकाश डाला। पीयूष गोयल ने रसद दक्षता को बढ़ावा देने के लिए सीमा शुल्क संचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए पीएम गतिशक्ति के उपयोग पर भी चर्चा की।

त्योहारी सीजन के दौरान आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतें रहेंगी स्थिरः खाद्य सचिव

नई दिल्ली। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि त्योहारी सीजन के दौरान आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतें स्थिर रहेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने कीमतों को स्थिर रखने के लिए हाल ही में कुछ फैसले लिए हैं। खाद्य सचिव ने यहां आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते भरोसा दिलाया कि इस त्योहारी सीजन के दौरान आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतें स्थिर रहेंगी। उन्होंने कहा कि हम त्योहारी सत्र में (खाद्य वस्तुओं की कीमतों में) किसी भी तरह की बढ़ोतरी की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। संजीव चोपड़ा गेहूं, चावल, चीनी और खाद्य तेलों जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थों की घरेलू आपूर्ति और कीमतों के बारे में मीडिया को जानकारी दे रहे थे। खाद्य सचिव ने बताया कि देश के कई भागों में गन्ना की पेराई शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि आने वाले 2-3 हफ्तों में चीनी का नया भंडार आना शुरू हो जाएगा। चोपड़ा ने कहा कि नए चीनी विपणन वर्ष यानी एक अक्टूबर को चीनी का शुरुआती स्टॉक 57 लाख टन था। ये अभी ढ़ाई महीने का भंडार है। ऐसे में चीनी की मात्रा में कमी होने या दामों में वृद्धि होने की संभावना नहीं लगती है। चोपड़ा ने कहा कि चीनी विपणन वर्ष 2023-24 (अक्टूबर-सितंबर) के दौरान चीनी निर्यात की अनुमति देने के बारे में निर्णय कृषि मंत्रालय का गन्ने का उत्पादन अनुमान आने के बाद लिया जाएगा। दरअसल सरकार ने चीनी निर्यात पर अंकुश इस साल 31 अक्टूबर से आगे अगले आदेश तक बढ़ा दिया है। त्योहारी मौसम के दौरान घरेलू बाजार में चीनी की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। इससे पहले ये अंकुश इस साल 31 अक्टूबर तक लागू थे।

अक्टूबर के पहले पखवाड़े में एफपीआई ने की करीब 100 अरब की बिकवाली

नई दिल्ली। सितंबर के बाद अक्टूबर के महीने में भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली करने का सिलसिला लगातार जारी है। इस महीने के पहले 15 दिनों में ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक शेयरों को बेच कर अभी तक इक्विटी मार्केट से करीब 100 अरब रुपये की निकासी कर चुके हैं। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर महीने के पहले पखवाड़े में ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने करीब 1.17 अरब डॉलर यानी 97.84 अरब रुपये के शेयरों की बिकवाली की है। आपको बता दें की सितंबर से पहले लगातार 6 महीने तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में जम कर खरीदारी की थी। लेकिन अमेरिकी बाजार में उठा-पटक शुरू होने के बाद सितंबर के महीने में खरीदारी के सिलसिले पर ब्रेक लगता नजर आया और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बिकवाली शुरू कर दी। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की नजर फिलहाल वैश्विक बाजार की अनिश्चितता पर टिकी हुई है। अमेरिका के आर्थिक आंकड़ों में बनी अस्थिरता की वजह से भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक अपने निवेश को सुरक्षित करने की कोशिश में लगे हुए हैं। अमेरिकी बाजार की अनिश्चितता के बीच ही अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में आई तेजी के कारण भी निवेशकों ने इक्विटी मार्केट से मुंह मोड़ना शुरू कर दिया है। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी के मुताबिक अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड 16 सालों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं। अमेरिका में 10 साल के बॉन्ड यील्ड 2006 के बाद पहली बार पिछले कारोबारी सत्र के दौरान 4.9 के स्तर पर पहुंच गए थे। ऐसी स्थिति में अमेरिकी का बॉन्ड मार्केट भारतीय शेयर बाजार की तुलना में विदेशी निवेशकों के लिए ज्यादा आकर्षक हो गया है। यही वजह है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना पैसा निकाल कर अमेरिकी बॉन्ड मार्केट में निवेश बढ़ाने में लगे हुए हैं। विदेशी निवेशकों द्वारा जम कर की जा रही बिकवाली के बावजूद घरेलू शेयर बाजार मामूली झटकों के अलावा लगातार मजबूती दिखाता रहा है। इस महीने के पहले पखवाड़े में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा करीब 100 अरब रुपये के शेयरों की बिकवाली करने के बावजूद निफ्टी में 0.57 प्रतिशत की तेजी बनी हुई है। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) और खुदरा निवेशकों द्वारा लगातार घरेलू शेयर बाजार में खरीदारी की जा रही है, जिसकी वजह से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली का घरेलू शेयर बाजार पर ज्यादा असर नहीं पड़ा है।

जुलाई-सितंबर तिमाही में नेस्ले इंडिया का मुनाफा 37.28 फीसदी बढ़कर 908.08 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। नेस्ले इंडिया लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। मैगी और कॉफी जैसे दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली नेस्ले इंडिया लिमिटेड का जुलाई-सितंबर में शुद्ध मुनाफा 37.28 फसदी बढ़कर 908.08 करोड़ रुपये रहा। कंपनी को पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 661.46 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। नेस्ले इंडिया लिमिटेड ने शेयर बाजार को बताया कि जुलाई-सितंबर तिमाही में उसका मुनाफा 37.28 फसदी बढ़कर 908.08 करोड़ रुपये रहा। इस अवधि में कंपनी की शुद्ध बिक्री 9.43 फीसदी बढ़कर 5,009.52 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4,577.44 करोड़ रुपये रही थी। हालांकि, जुलाई-सितंबर तिमाही में कुल खर्च 5.92 फीसदी बढ़कर 3,954.49 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 3,733.12 करोड़ रुपये था।

कंपनी के मुताबिक नेस्ले इंडिया की घरेलू बिक्री 10.33 फीसदी बढ़कर 4,823.72 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2022-23 की जुलाई-सितंबर तिमाही में 4,371.99 करोड़ रुपये रही थी। हालांकि, इसका निर्यात 9.56 फीसदी घटकर 185.80 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 205.45 करोड़ रुपये था। इसके अलावा परिचालन आय जुलाई-सितंबर तिमाही में 9.45 फीसदी बढ़कर 5,036.82 करोड़ रुपये रही।

अब नोकिया कंपनी में लागत में कटौती के लिए 14 हजार कर्मचारियों की छंटनी करने की तैयारी

नई दिल्ली। अब नोकिया कंपनी में बड़े पैमाने पर छंटनी होने की तैयारी है। कंपनी ने लागत में कटौती के लिए करीब 14 हजार कर्मचारियों को काम से निकालने का ऐलान किया है।

नोकिया कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पेक्का लुंडमार्क ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका जैसे बाजारों में 5-जी उपकरणों की धीमी बिक्री के कारण तीसरी तिमाही में उसकी कुल बिक्री 20 फीसदी तक कम हो गई है। इस गिरावट के बाद कंपनी लागत में कटौती के लिए 14 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की योजना पर काम कर रही है। कंपनी के इस कदम से मौजूदा करीब 86,000 कर्मचारियों की संख्या घटकर 72,000 रह जाएगी। उन्होंने कहा कि कंपनी ने यह कदम बाजार में जारी अनिश्चितता को समायोजित करने और लॉन्ग टर्म प्रॉफिटेबिलिटी को सुरक्षित करने के लिए उठाया है। कॉस्ट कटिंग के नाम पर कंपनियां हजारों लोगों को नौकरी से निकाल रही है। इस सूची में दुनिया के सबसे बड़े सर्च इंजन गूगल से लेकर फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा सबसे आगे है, जिसमें एक नया नाम नोकिया का भी जुड़ने जा रहा है।

वित्त मंत्री का समुद्री क्षेत्र के लिए अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र विकसित करने का आह्वान

मुंबई/नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश में समुद्री क्षेत्र के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र बनाने की जरूरत बताई है। उन्होंने इसके लिए क्षमता और कानूनी प्रणाली के विकास का आह्वान किया है।

सीतारमण ने ग्लोबल मैरीटाइम इंडियन समिट 2023 के तीसरे संस्करण को संबोधित करते हुए यह बात कही। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि हम समुद्री और भूमि मार्गों के माध्यम से यूरोप और पश्चिम एशियाई गणराज्यों तक पहुंचने पर विचार कर रहे हैं और इससे रसद लागत में कमी आएगी।सीतारमण ने कहा कि पीएम मोदी ने मैरीटाइम क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने का एक सचेत प्रयास किया है। इनमें नीली अर्थव्यवस्था यानी भारत के लिए समुद्री चिंताएं, भारतीय ध्वज के साथ जहाजों को रखना, जनशक्ति को प्रशिक्षित करना आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमें मध्यस्थता प्रक्रियाओं तथा कानूनों को सुधारने और मजबूत करने की जरूरत है, ताकि वे वैश्विक मानकों के अनुरूप बन सकें।

वित्त मंत्री ने कहा कि विश्व बैंक की 2023 लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक रिपोर्ट कहती है कि भारतीय बंदरगाहों का टर्नअराउंड समय अब 0.9 दिन है, जो सिंगापुर के एक दिन से बेहतर है।

इसी तरह यूएई का 1.1 दिन, जर्मनी का 1.3 दिन और अमेरिका का 1.5 दिन है। ऑस्ट्रेलिया के मामले में यह 1.7 दिन, रूस का 1.8 दिन और दक्षिण अफ्रीका का 2.8 दिन है। विश्व बैंक के लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक में भारत की समग्र रैंक भी 2014 के 54 से बढ़कर 2023 में 38 हो गई है।

अदाणी ने शुरू की 765 केवी की सबसे बड़ी इंटर-रीजनल वरोरा-कुरनूल ट्रांसमिशन लाइन

अहमदाबाद। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में 1,756 सर्किट किलोमीटर तक फैले, वरोरा-कुरनूल ट्रांसमिशन (डब्ल्यूकेटीएल) को पूरी तरह से चालू कर दिया है। यह परियोजना पश्चिमी क्षेत्र और दक्षिणी क्षेत्र के बीच 4500 मेगावाट की बिना रुकावट बिजली सुनिश्चित करने के लिए नेशनल ग्रिड को मजबूती प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त यह दक्षिणी क्षेत्र ग्रिड को मजबूत करने और रिन्यूएबल एनर्जी स्रोतों से होने वाले उत्पादन को बड़े पैमाने पर इंटीग्रेट करेगा।

वरोरा कुरनूल ट्रांसमिशन लिमिटेड (डब्ल्यूकेटीएल) का गठन अप्रैल 2015 में किया गया था ताकि दक्षिणी क्षेत्र में आयात के लिए एक अतिरिक्त इंटर-रीजनल अल्टरनेट करंट लिंक स्थापित किया जा सके, यानी वरोरा-वारंगल और चिलकलूरिपेटा-हैदराबाद-कुरनूल, साथ ही वारंगल में 765/400 केवी उपस्थिति के साथ एक सब-स्टेशन स्थापित किया जा सके। डब्ल्यूकेटीएल एक सिंगल स्कीम के तहत अब तक प्रदान की गई सबसे बड़ी 765 केवी डी/सी (हेक्सा कंडक्टर) टीबीसीबी (टैरिफ-आधारित प्रतिस्पर्धी बोली) परियोजना है। इसमें महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के क्षेत्र को पार करने वाली 1756 सीकेएम की ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण शामिल था, साथ ही वारंगल में 765 किलोवोल्ट के सब-स्टेशन की स्थापना 'निर्माण, स्वामित्व, संचालन और मेंटिनेंस' के आधार पर किया गया था। इसे 2016 की शुरुआत में एसेल इंफ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड को टैरिफ-आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) पर दिया गया था लेकिन बाद में कर्ज संबधी परेशानियों को देखते हुए इसे मार्च 2021 में एईएसएल द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया था।

इस परियोजना के बड़े आकार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि टावरों को खड़ा करने में कुल 1,03,000 मीट्रिक टन स्टील का इस्तेमाल किया गया है। यह 10 एफिल टावर खड़ा करने के लिए आवश्यक मटेरियल के बराबर है। इन ट्रांसमिशन लाइनों के लिए कुल 30,154 किमी कंडक्टर का उपयोग किया गया है, जो चंद्रमा के तीन चक्कर लगाने के बराबर है। यह इंजीनियरिंग एक चमत्कार है, जिसमें पाइल फाउंडेशन के साथ 102 मीटर ऊंचे दो मिड-स्ट्रीम टावर्स पहली बार कृष्णा नदी पर स्थापित किए गए थे। इसके लिए प्लानिंग बहुत महत्वपूर्ण थी, क्योंकि साल के दौरान सिर्फ तीन महीने ही काम करने का समय था, जब नदी में जल स्तर कम रहता है। अन्य चुनौतियों में टावरों का निर्माण और 116 प्रमुख बिजली लाइनों, रेलवे-विद्युतीकृत पटरियों और राष्ट्रीय राजमार्गों को पार करने वाली लाइनों की स्ट्रिंग भी शामिल थी।

50000 रुपये तक के कर्ज 48 फीसदी बढ़े, आरबीआई ने छोटी उधारी बढ़ने पर कर्जदाताओं को सख्ती बरतने की दी सलाह

नई दिल्ली। रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए लोगों के छोटे कर्ज में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिल रही है। यही वजह है कि 10,000 से 50,000 रुपये तक के पर्सनल लोन में 48 फीसदी की तेजी दर्ज की गईहै।वह भी तब, जब बैंकों की कुल उधारी 15 फीसदी से कम है।इन छोटे कर्जों के डूबने का जोखिम ज्यादा है, जिसे लेकर आरबीआई ने बैंकों को चेतावनी भी दी है। कम आय वाले ग्राहक छोटे कर्ज ज्यादा ले रहे हैं। इन कर्जों की अवधि तीन से चार महीने की होती है। ऐसे में आरबीआई ने उधारी में वृद्धि के बाद कर्जदाताओं से छोटे पर्सनल लोन पर सख्ती बरतने की सलाह दी है।केंद्रीय बैंक की चेतावनी के बाद जोखिम से बचने के लिएबैंक और वित्तीय संस्थान कड़े कदम उठा रहे हैं।इससे कर्ज वसूली की रफ्तार तेज हुईहै। बैंकिंग क्षेत्र में बुरे फंसे कर्ज यानी एनपीए एक दशक के निचले स्तर पर आ गया है।आरबीआई का अनुमान है कि मार्च, 2024 तक बैंकों का एनपीए 3.6 फीसदी रह सकता है। जून 2023 तक 50,000 रुपये से कम के कर्ज का एनपीए 8.1 फीसदी था। यह मार्च 2023 तक सभी खुदरा ऋणों के 1.4 फीसदी एनपीए का करीब 6 गुना है। 2022-23 में 10,000 रुपये से कम के कर्ज में 37 फीसदी की बढ़त आई है, जबकि 10,000 से 50,000 रुपये वाले कर्ज में 48 फीसदी तक की वृद्धि दिखी है। वॉल्यूम के आधार पर पिछले 12 महीनों में 10,000 रुपये से कम के 38 फीसदी कर्ज के मामले देश के शीर्ष 100 शहरों के बाहर थे। बजाज फाइनेंस के सीईओ राजीव जैन ने वित्तीय परिणाम जारी होने के बाद कहा कि छोटे कर्ज जो कम अवधि के हैं, उनमें काफी तेज वृद्धि देखने को मिल रही है। डिजिटल ऋणदाताओं सहित गैर-बैंक वित्तीय कंपनियां ज्यादा कर्ज दे रही हैं। हालांकि, इसका असर बैंकों पर भी हो सकता है, क्योंकि एनबीएफसी को बैंक ही कर्ज देते हैं। कुछ ऐसे मामले भी हैं, जहां तेजी से वसूली के प्रयास हो रहे हैं। उदाहरण के तौर पर मुंबई के इस्माइल सैय्यद ने मोबाइल खरीदने के लिए 5,000 रुपये का पर्सनल लोन लिया था।

देवतालाब के कांग्रेस नेता जयवीर सिंह समाजवादी पार्टी में हुए शामिल

पुष्पेंद्र सिंह (ब्यूरो चीफ मऊगंज)

मऊगंज। देवतालाब विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस नेता रहे जयवीर सिंह व उनकी धर्म पत्नी समाजवादी पार्टी में हुए शामिल, सपा के राष्टीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के हाथों ली पार्टी की सदस्यता, अब देवतालाब से होंगे सपा के प्रत्याशी,गौरतलब हो कि सीमा जयवीर सिंह जो 2018 में कांग्रेस से देवतालाब विधानसभा से चुनाव लड़े थे और मामूली वोटो से उन्हें भाजपा प्रत्याशी गिरीश गौतम से हार का सामना करना पड़ा था, इस बार कांग्रेस ने उनको टिकट नही दिया, लिहाजा अब वो सपा में शामिल हो गए है,

वही खबर है कि...त्योंथर का बड़ा चेहरा तिवारी लाल और मनगंवा से भाजपा नेता पंचूलाल प्रजापति भी समाजवादी पार्टी में शामिल हो सकते हैं, एवं आगामी चुनाव में सपा के प्रत्याशी बनकर चुनाव मैदान में उतर सकते है।

सतना कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने 5 अपराधियों को किया जिला बदर

पुष्पांजली टुडे
विवेक तिवारी (संभागीय ब्यूरो)

सतना। जिले में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, भय-रहित वातावरण में आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 के निर्वाचन कार्यक्रम को संपन्न कराने के उद्देश्य से असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही लगातार जारी है। कलेक्टर व जिला दण्डाधिकारी अनुराग वर्मा ने जिले के 5 अपराधियों को एक वर्ष की कालावधि के लिए जिला बदर करने के आदेश जारी किए हैं।सतना कलेक्टर

एवं जिला दंडाधिकारी अनुराग वर्मा ने मध्य प्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 के तहत थाना कोलगवां अंतर्गत लवली उर्फ तेजेश्वर उर्फ तेजेन्दर पिता हरविन्दर सिंह सरदार, रंजीत उर्फ रणजीत उर्फ मिक्की सरदार पिता हरविन्दर सिंह उम्र 33 वर्ष निवासी चाणक्यपुरी कॉलोनी के विरुद्ध जिला बदर का आदेश जारी किया है।इसी तरह जाकिर हुसैन उम्र 39 वर्ष निवासी नजीराबाद हाल निवासी हवाई पट्टी मोड़ सतना, थाना सिटी कोतवाली अंतर्गत आबिद खान पिता मुन्ना खान उम्र 38 वर्ष निवासी राजेंद्र नगर गली नंबर 15 तथा रन्ना खान उर्फ मोहम्मद अली पिता मुश्ताक अली उम्र 38 वर्ष निवासी सिटी कोतवाली को भी जिला बदर कर दिया गया है।संबंधित अपराधियों को एक वर्ष की अवधि के दौरान सतना जिले की सीमा और जिले से लगने वाल चतुर्दिक जिलों की सीमा से बाहर चले जाने का आदेश दिया है। बता दें कि इन सभी अपराधियों के विरुद्ध सतना शहर के थानों में कई अपराध दर्ज हैं।

दशहरा एवं दीपवली पर्व आयोजन के संबंध में निर्देश

पुष्पांजली टुडे

रीवा। आगामी दिनों में दशहरा एवं दीपावली का त्यौहार मनाया जाएगा। विधानसभा निर्वाचन 2023 की आचार संहिता प्रभावशील है। अतः त्यौहारों में शांति एवं सौहार्द का वातावरण एवं व्यवस्थाएं रखना आवश्यक है। अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह ने त्यौहार के दौरान आवश्यक कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था, यातायात, पेयजल एवं प्रकाश व्यवस्था बनाए रखते हुए चुनाव आचार संहिता के निर्देशों का कड़ाई से पालन किए जाने की बात कही है।

जयस्तंभ के पास मिला अज्ञात शव,जांच करने में जुटी रीवा सिविल लाइन पुलिस

पुष्पांजली टुडे रीवा

रीवा। रीवा शहर के सिविल लाइन थाना अंतर्गत जयस्तंभ के पास एक अज्ञात शव मिला है। घटना की जानकारी के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शव को बरामद करते हुए गांधी अस्पताल में सुरक्षित रखवाया गया है। पुलिस द्वारा मृतक की सिनाख्त करवाने के लिए पताशाजी करने में जुटी हुई है। स्थानी लोगों का कहना है कि उन्होंने आज से पहले इसे नहीं देखा था। उक्त युवक कहां से आया यह किसी को मालूम नहीं है।

यहां पड़ा मिला शव–सिविल लाइन थाना क्षेत्र के मुख्य मार्ग के किनारे जय स्तंभ के पास संचालित गोरेलाल फल भंडार व हीरू चिकन शॉप के सामने 100 पड़ा हुआ था। इसकी जानकारी 22 अक्टूबर 2023 की सुबह सड़क चलते राहगीरो को हुई। पहले तो लोगों को लग रहा था कि उक्त व्यक्ति नशे की हालत में सड़क किनारे सो रहा होगा।क्योंकि इस तरह का नजारा शहर में आमतौर पर देखने को मिल ही जाता है। खास तौर पर छोटी पुल के फुटपाथ पर अक्सर नशे की हालत में लोगों को लेटे हुए देखा जा सकता है। बताया जाता है कि जब उक्त व्यक्ति काफी देर तक नहीं उठा तो आम लोगों द्वारा इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने मौका देखते हुए फौरन युवक को संजय गांधी अस्पताल भेजा।जानकारी मिल रही है कि उक्त युवक की उम्र 45 वर्ष के आसपास होगी। युवा के शव को मर्चुरी में सुरक्षित रखवा दिया गया है। पुलिस अज्ञात मृतक युवक के परिजनों की तलाश में है।

रीवा जिले में भाजपा के प्रत्याशी

पुष्पांजली टुडे रीवा

रीवा। भाजपा ने रीवा जिले कि 6 एवं मऊगंज जिले कि 2 कुल मिलाकर 8 विधानसभा सीटो के लिए अपने उम्मीदवारो कि सूची जारी कर दी है, जिसमे..

रीवा- से राजेंद्र शुक्ल ,
2गुड़- से नागेंद्र सिंह,
3.सेमरिया- से कमला पति (केपी) त्रिपाठी
4. त्यौंथर- से सिद्धार्थ तिवारी राज,
5. मनगवा- से नरेंद्र प्रजापति
6. सिरमौर- से दिव्यराज सिंह
7. देवतालाब से गिरीश गौतम
8. मऊगंज से प्रदीप पटेल को

एक बार फिर भाजपा ने टिकट देकर चुनावी मैदान में उतार दिया है।

थाना गुढ द्वारा लंबे समय से फरार चल रहे4000 के इनामी दो वारंटी को पकड़कर भेजा जेल

पुष्पांजली टुडे रीवा
शिवम तिवारी (ब्यूरो चीफ)
नाम इनामी वारंटी

1. श्याम सुंदर पिता राम मूर्ति उम्र 45 साल निवासी बिसाही जाना जिला प्रयागराज उत्तर प्रदेश इनाम की राशि ड़3000
2. छोटालि उर्फ छोटे कॉल पिता राम सजीवन कॉल उम्र 34 वर्ष निवासी ग्राम दुवारी इनाम की राशि ड़1000

विवरण–श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री विवेक सिंह द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर लंबे समय से

फरार चल रहे इनामी गिरफ्तारी वारंटी को गिरफ्तार करने हेतु स्पष्ट निर्देश पूर्व से दे रखे हैं जिसके तारतम्य में श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय अनिल सोनकर व श्रीमान उप पुलिस अधीक्षक महोदय मुख्यालय श्री हिमालय सोनी के मार्गदर्शन में टीम पुलिस थाना गुड द्वारा एनडीपीएस एक्ट में तथा मारपीट के मामले में वर्षो से फरार चल रहा है आरोपियों को गहरा बंदी कर पकड़ा गिरफ्तार कर जेल भेजा गया

चौधरी राकेश सिंह पूर्व मंत्री कांग्रेस प्रत्याशी भिंड शहर में हुआ स्वागत

भिंडदिल्ली से इटावा होते हुए काफिले के साथ शैल रॉयल मैरिज गार्डन पहुचेंगे, जहां कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा स्वागत किया जाएगा। स्वागत कार्यक्रम उपरान्त श्री चौधरी कार्यकर्ताओं के साथ पैदल यात्रा कर ईटावा रोड़ चौराहा स्थित इंद्रा गांधी जी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर शहर कोतवाली होते हुए परेड चौराहा, सदर बाजार, बजरिया किला रोड़ होते हुए बाबा बनखंडेश्वर महाराज के दर्शन करेंगे, दर्शन के पश्चात श्री चौधरी अपने निवास चौधरी भवन गौरी किनारा स्थित निवास पर पहुंचकर कार्यकर्ताओं और समर्थकों से मुलाकात कर रूबरू होंगे।

गुड़ पुलिस व आईटीबीपी के जवानों ने किया फ्लैग मार्च

पुष्पांजली टुडे

रीवा।शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए प्रशासन प्रयासरत है।प्रशासन का प्रयास है कि लोग भयमुक्त वातावरण में मतदान करें।इसी कड़ी में रविवार को गुड़ पुलिस और आईटीबीपी के जवानों ने थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया।फ्लैग मार्च का नेतृत्व गुड़ थाना प्रभारी विकास कपीस कर रहे थे।फ्लैग मार्च गुड़ थाना से प्रारंभ होकर गुड़ बाजार तक पहुंची। बताया गया कि 2023 की विधानसभा चुनाव को लेकर पुलिस ने फ्लैग मार्च कराया है।फ्लैग मार्च से ही लोगों में 2023 विधानसभा चुनाव का संकेत के साथ शांति बनाए रखने का संदेश दिया।मौके पर गुड़ थाना पुलिस के साथ आईटीबीपी के जवान सम्मिलित रहे।

रीवा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रदीप सोहगौरा ने प्रदेश के कांग्रेस नेताओं पर लगाया रुपए लेकर टिकट बेचने का आरोप

पुष्पांजली टुडे

रीवा। जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं जिले के कार्यालय संगठन मंत्री प्रदीप सोहगौरा ने प्रदेश के कांग्रेस नेताओं पर रुपए लेकर टिकट बेचने का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सिमरिया विधानसभा से टिकट वितरण में 10 करोड रुपए से अधिक का खेल हुआ है। इसमें सभी बड़े नेता शामिल हैं। प्रदीप सोहगौरा कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी जिला अध्यक्ष रह चुके हैं, साथ ही जिला पंचायत के उपाध्यक्ष भी रहे हैं। प्रदीप सोहगौरा सिमरिया से टिकट के दावेदार थे, किंतु पार्टी ने उन्हें दर किनारा कर भाजपा में गए अभय मिश्रा को टिकट दे दिया है। इससे प्रदीप सोहगौरा का पारा सातवें आसमान पर है उन्होंने खुलेआम पार्टी के वरिष्ठ नेताओं पर 10 करोड रुपए लेकर टिकट बेचने का खुला आरोप लगाया है। जिससे प्रदेश की राजनीति में भूचाल आ गया है। प्रदीप सोहगौरा के इस बयान से भोपाल एवं दिल्ली तक तहलका मचा हुआ है।

रीवा में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने चार आदतन अपराधियों को किया जिला बदर

पुष्पांजली टुडे रीवा

रीवा। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर रीवा जिले में सख्ती शुरू हो गई है। रीवा जिले की कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिभा पाल ने चार आदतन अपराधियों को जिला बदर किया है। उक्त कार्यवाही मध्य प्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 के तहत की गई है। चारों आदतन अपराधियों को रीवा समेत मऊगंज, सतना, मैहर, सीधी और सिंगरौली जिले से एक वर्ष की अवधि के लिए बाहर रहना होगा।कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिभा पाल ने आशीष उर्फ करण उपाध्याय निवासी खोहा थाना अतरैला, संतोष शुक्ला निवासी पलिया थाना लौर हाल निवास नई बस्ती पड़रा थाना सिविल लाइन, राहुल सिंह उर्फ पवन सिंह निवासी माजन थाना पनवार और सचिन कुशवाहा निवासी बैजनाथ थाना चोरहटा को जिला बदर किया है। नियमों का उल्लंघन करने वाले अपराधियों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

आनंद सिंह राजपूत ने बुधनी विधानसभा क्षेत्र क्र. 156 से शिवराज सिंह चौहान के सामने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में ठोकी ताल

भेरुन्दा नसरुल्लागंज। तहसील भेरूंदा अंतर्गत आने वाले ग्राम बडोदिया निवासी आनंद सिंह राजपूत पिता मान सिंह राजपूत ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भाजपा से बुधनी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा से उम्मीदवार है। वहीं उनके सामने इस समय क्षेत्र के कुछ युवा चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं एक और युवा चेहरा सामने आया है। आनंद सिंह राजपूत उनके पिता 2010 में जनपद पंचायत भेरूंदा के जनपद पंचायत के सदस्य रह चुके हैं। आनंद सिंह राजपूत की पहचान है ।वह अपने पिता के रूप में है। वही पिछले वर्ष जिला पंचायत सदस्य के रूप में आनंद सिंह राजपूत की बहन मनीता सिंह राजपूत जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ी थी। वही टक्कर बराबरी की रही । मनीता सिंह राजपूत को मात्र कुछ वोटों से ही हार का सामना करना पड़ा । वही एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आनंद सिंह राजपूत ने पत्रकारों से बात करते हुए कहां

की क्षेत्र में कोई भी विकास नहीं हुआ है। जो भी विकास हुआ है। बुधनी तहसील में हुआ है ।भेरूंदा तहसील में कोई विकास नहीं हुआ है। जबकि देखा जाए तो क्षेत्र में भाजपा नेताओं का ही विकास हुआ है। आम आदमी का विकास नहीं हुआ हे ,यह कहना हे निर्दलीय प्रत्याशी आनंद सिंह राजपूत का ।आम आदमी आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। अगर देखा जाए तो रोजगार की बात की जाए तो फैक्ट्री मिली तो बुधनी को मिली , मेडीकल कालेज मिला तो बुधनी को मिला, भेरून्दा के युवाओं को मिली बेरोजगारी, ओर रोड पर भटकना । वहीं भेरून्दा सिविल अस्पताल में बिल्डिंग पे बिल्डिंग बन रही है। लेकिन स्वास्थ्य के नाम पर सुविधाएं नही मिल रही हे। लगभग दो वर्षो से जो हड्डी रोग स्पेशलिस्ट डॉक्टर थे। वह रिटायर हुए उसके बाद से कोई डॉक्टर नहीं आया । विकास के नाम पर कुछ नहीं , इन सब मुद्दों को लेकर चुनाव मैदान में आया हूँ। बस मेरा एक ही उद्देश्य है। मूलभूत सुविधाओं को लेकर चुनाव लड़ रहा हूँ। हर आम आदमी से मैं मिल रहा हू, मेरे सामने क्षेत्र की बहुत सी समस्याऐ सामने आ रही है

भिण्ड विधानसभा पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह, मेहगांव विधानसभा से पूर्व विधायक राकेश शुक्ला का टिकट हुआ फाइनल

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय नेतृत्व ने चुनाव केंद्रीय समिति की बैठक में मिशन 2023 के विधानसभा चुनाव के लिए भिण्ड विधान विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह और मेहगांव विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक राकेश शुक्ला का टिकट दिया है। जैसे ही टिकट फाइनल की सूची आते ही पूर्व विधायक कुशवाह एवं पूर्व विधायक शुक्ला के निवास स्थान पर हजारों की तादाद में उनके समर्थक और कार्यकर्ता सर्व समाज के लोग पहुंचकर बधाई देते हुए उनके ऐतिहासिक स्वागत किया। दोनों विधानसभा में समर्थन एवं पार्टी कार्यकर्ताओं ने पटाखे चला कर एवं मिठाई का वितरण करते हुए खुशी का इंतजार किया और उन्होंने सभी कार्यकर्ता एवं समर्थकों का अभिवादन स्वीकार करते हुए चुनाव अभियान में जुड़ जाने का आवाहन किया।पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने अपने निवास पर स्वागत करने पहुंचे कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार किया कि हम सब कार्यकर्ता एकजुट होकर अपने-अपने बूथ केंद्रों पर भाजपा को जीतने के लिए चुनाव भी अभियान में जुड़ जाए ।पूर्व विधायक राकेश शुक्ला ने कहा केंद्रीय प्रदेश चुनाव समिति के नेतृत्व ने मुझ पर भरोसा दिलाया है कि अपने कर्तव्य निष्ठा पराकाष्ठा के साथ भारतीय जनता पार्टी को वरिष्ठ नेतृत्व कार्यकर्ता एवं जनता के साथ प्रचंड बहुमत को जीत के साथ प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने के लिए कमल कप का फूल खिलाएंगे। उन्होंने भी अपने कार्यकर्ता समर्थकों को चुनाव अभियान में सक्रिय रहने के लिए आवाहन किया

नारायण त्रिपाठी अब खुद की पार्टी से लड़ेंगे चुनाव

पुष्पांजली टुडे
विवेक तिवारी
(संभागीय ब्यूरो)

मैहर। पूर्व विधायक नारायण त्रिपाठी अब खुद की पार्टी विंध्य जनता पार्टी से मैहर सीट से चुनाव लड़ेंगे। उनकी पार्टी को निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को चुनाव चिन्ह दो गन्ना और एक किसान आवंटन भी कर दिया है। नारायण त्रिपाठी के करीबी सूत्रों ने बताया कि मैहर से वह खुद चुनाव लड़ेंगे। जबकि कई अन्य सीटों पर भी अपनी पार्टी से प्रत्याशी मैदान में उतारेंगे।मैहर से चार बार विधायक निर्वाचित हो चुके नारायण त्रिपाठी 2003 में समाजवादी पार्टी से विधायक चुने गए थे। जबकि 2013 में वे कांग्रेस से चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे।साल 2015 में विधायक पद से इस्तीफा देकर 2016 के उपचुनाव में वे भाजपा के टिकट पर लड़कर चुनाव जीते। 2018 के चुनाव में भी वे भाजपा से ही लड़े और चौथी बार मैहर से विधायक बने। नारायण त्रिपाठी 2023 का चुनाव अपनी खुद की पार्टी विंध्य जनता पार्टी से मैहर से ही चुनाव लड़ेंगे।

राजस्थान में कांग्रेस-भाजपा के लिए मुसीबत बन सकती हैं ये छोटी पार्टियांज पिछले चुनाव में दिखाया था दम

पुष्पांजलि टुडे संवाददाता पाली राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में होने वाले विधानसभा चुनाव में छोटी पार्टियां बीजेपी और कांग्रेस के लिए मुसीबत खड़ी कर सकती हैं। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और भारतीय आदिवासी पार्टी ने चुनाव से पहले एक मोर्चा बनाने की कोशिश शुरू की है। यदि यह मोर्चा बन जाता है, तो चुनावी सियासत पर इसका इम्पैक्ट हो सकता है। राजस्थान चुनाव में पिछली बार छोटी राजनीतिक पार्टियों को कम से कम 10-15 प्रतिशत मत मिले थे। इस मत के बल पर ये पार्टियां गेम चेंजर का काम कर सकती है। राजस्थान विधानसभा का ऐलान हो चुका है और कांग्रेस एवं बीजेपी ने उम्मीदवारों की सूची भी जारी की है और दोनों ही पार्टियां चुनाव में पूरी ताकत झोंक रही है। ऐसे में इन छोटी पार्टियों ने कांग्रेस और बीजेपी की चिंता बढ़ा दी है। साल 2018 में हुए राजस्थान विधानसभा चुनाव में इन छोटी पार्टियों ने 14 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की थी। चुनाव में 13 निर्दलीय प्रत्याशी भी विजयी हुए थे। इस बार छोटी पार्टियों ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। बीजेपी और कांग्रेस के सहयोगी रही ये छोटी पार्टियां एक मोर्चा बनाने की कोशिश कर रही है।छोटी पार्टियों ने मोर्चा बनाने की शुरू की कवायद बीजेपी के पहले सहयोगी रहे जाट नेता हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) एवं कांग्रेस की पूर्व सहयोगी रही भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) के साथ मोर्चा बनाने की कवायद शुरू की है। साल 2018 के विधानसभा चुनावों के आंकड़ों से संभावित मोर्चे की ताकत का पता लगाया जा सकता है। पिछले चुनाव में राजस्थान में बीएसपी ने छह सीटों पर जीत हासिल की थी और उसे 4 फीसदी वोट मिले थे, जबकि बेनीवाल की पार्टी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने 2.4 फीसदी मत के साथ तीन सीटों पर जीत हासिल की थी। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल का कहना है कि वह बीएसपी एवं बीएपी के साथ गठबंधन को लेकर बातचीत कर रहे हैं। सीट बंटवारे को लेकर आपसी सहमति बनाने की कोशिश की जा रही है। यह मोर्चा राज्य में कांग्रेस एवं बीजेपी के प्रभुत्व को खत्म करने का काम करेगा और इसकी राज्य की जरूरत है।कांग्रेस-बीजेपी को चुनौती देने का प्लानबता दें कि बेनीवाल ने करीब 125 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 'सत्ता परिवर्तन संकल्प' यात्रा आरंभ की है। इस यात्रा समापन 29 अक्टूबर को पार्टी के स्थापना दिवस पर होगा और इस अवसर पर एक रैली का भी आयोजन किया जाएगा। बता दें कि कृषि कानूनों को लेकर हनुमान बेनीवाल और बीजेपी की दूरी बढ़ गई थी और उन्होंने पार्टी नाता तोड़ लिया था। उसके बाद बेनीवाल ने खींवसर विधानसभा उपचुनाव लड़ा और जीत हासिल की थी। बेनीवाल ने बताया कि उनका कहना है कि वे लोग सभी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। बता दें कि साल 2018 में आरएलपी ने 58 सीटों प्रतिद्वंद्विता की थी और 3 सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि यह पार्टी दो सीटों पर दूसरे स्थान और 24 सीटों पर तीसरे स्थान हासिल की थी। वहीं, बीएसपी ने साल 2018 के विधानसभा चुनाव में 189 सीटों पर प्रतिद्वंद्विता की थी और 6 सीटों पर जीत हासिल की थी बीबी। इन पार्टियों के अतिरिक्त असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम एवं 'आम आदमी पार्टी' भी कुछ सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करने की योजना बना रही है।

भोपाल में गोविंदपुरा सीट पर प्रत्याशी बदलने की मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रदर्शन

भोपाल । राजधानी की गोविंदपुरा सीट पर भी कांग्रेस प्रत्याशी का विरोध शुरू हो गया है। टिकट न मिलने से नाराज नेताओं ने बागी तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। रविवार दोपहर कांग्रेस नेत्री दीप्ति सिंह के समर्थन में बड़ी संख्या में महिलाएं प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर पहुंच गईं। हाथों में तख्तियां लेकर दीप्ति सिंह को टिकट देने की मांग करते हुए धरने पर बैठ गईं।उत्तरी हवाओं का असर, लुढ़का रात का पारा, दशहरे के बाद बढ़ेगी ठंडरूउत्तरी हवाओं का असर, लुढ़का रात का पारा, दशहरे के बाद बढ़ेगी ठंडबता दें कि इस क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी ने दिग्विजय समर्थक रवींद्र साहू झूमरवाला को टिकट दिया है। इसका दीप्ति सिंह विरोध कर रही हैं। दीप्ति को पूरी उम्मीद थी कि उन्हें टिकट मिल जाएगा। दरअसल वो कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष व

पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ की समर्थक मानी जाती हैं। उन्होंने टिकट की आस में गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र में सक्रियता बढ़ा दी थी। महिलाओं के बीच जाकर भजन-कीर्तन करा रही थीं। सभाओं व प्रदर्शन में सक्रिय थीं।

श्रमिक नेता दीपक गुप्ता ने भी खोला विरोध का मोर्चा- गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र में श्रमिक नेता दीपक गुप्ता ने प्रत्याशी चयन को लेकर विरोध जताते हुए कहा कि पार्टी ने गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र में सर्वे के आधार पर टिकट नहीं दिया है। मेरा नाम सर्वे में था, क्योंकि बीते सात वर्षों में मेरी गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र में सक्रियता रही। सबसे अधिक भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किए। मेरे ऊपर भाजपा सरकार ने एफआइआर भी दर्ज कराईं। गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र में भेल कारखाने से सेवानिवृत कर्मचारी, वर्तमान कर्मचारी, ठेका श्रमिक व उनके परिजनों के मिलाकर कुल संख्या एक लाख 74 हजार है। यदि किसी श्रमिक नेता को कांग्रेस टिकट देती तो भाजपा का गढ़ कही जाने वाली गोविंदपुरा विधानसभा सीट पर कांग्रेस बढ़त की स्थिति में होती। गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र में इतिहास रहा है कि एक बार करनैल सिंह, आरडी त्रिपाठी को टिकट मिला तो श्रमिकों की मांगें उठाकर राजनीति करने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय बाबूलाल गौर को अच्छी टक्कर दी थी।

ज्वेलरी शाप पर खरीदार बनकर पहुंची दो महिलाओं ने दो लाख के जेवर चुराए, वारदात सीसीटीवी में कैद

भोपाल, । राजधानी के कोलार इलाके में एक सराफा कारोबारी की दुकान में चोरी का मामला सामने आया है। दो अज्ञात महिलाएं शनिवार दोपहर सोने के जेवरात खरीदने पहुंची थीं। उसी दौरान दुकान संचालक मोबाइल पर किसी से बात करने लगा, तभी उन महिलाओं ने दो लाख कीमत के मंगलसूत्र और झुमकियां चोरी कर लीं। कुछ देर बाद वे दुकान से बगैर कुछ खरीदे चली गईं। रात में सराफा कारोबारी ने जब सामान चेक किया, तक उसे इस चोरी का पता चला। उसने तुरंत दुकान में लगा सीसीटीवी चेक किया

और इसके बाद थाने पहुंचकर एफआइआर दर्ज कराई। पुलिस सीसीटीवी से मिले हुलिये के आधार पर महिला बदमाशों की तलाश में लगी है।कोलार थाने के एसआइ संतराम खन्ना ने बताया कि सर्वधम ए सेक्टर में रहने वाले 32 वर्षीय अशोक सोनी सराफा कारोबारी हैं। उनका शिवहोम नाम से कोलार के सर्वधर्म में मेन रोड पर ज्वेलरी शोरूम है। शनिवार दोपहर वह अपने शोरूम पर बैठे थे। डेढ़ बजे के करीब दो महिलाएं उनकी दुकान पर पहुंचीं और कहा कि उनको मंगलसूत्र खरीदना है। इस पर अशोक सोनी ने उनको आठ मंगलसूत्र दिखाए। इसी दौरान उन्होंने झुमके भी दिखाने के लिए कहा तो उन्होंने शोकेस से कुछ झुमकियां भी दिखाने के लिए रख दीं। तभी उनके मोबाइल पर किसी का फोन आ गया और वह बात करने में व्यस्त हो गए। इसी दौरान महिलाओं ने मंगलसूत्र और झुमकियों को अपने कपड़ों में छिपा लिया और बाद में आने का बोलकर चली गईं। शाम को जब अशोक सोनी ने सामान का मिलान किया तो करीब दो लाख का सामान कम निकला। उन्होंने दुकान के सीसीटीवी चेक किए तो महिलाएं सामान चुराती नजर आ गईं। इस पर अशोक सोनी ने थाने जाकर एफआइआर दर्ज कराई।

गोल्डन गर्ल रीना गुर्जर नेशनल गेम्स के लिए मप्र टीम का बनीं हिस्सा

भोपाल, । मध्यप्रदेश की उदीयमान कराते खिलाड़ी व गोल्डन गर्ल से प्रचलित रीना गुर्जर का चयन गोवा में आयोजित होने वाले 37वें नेशनल गेम्स के लिए हुआ है। रीना गुर्जर पेंचक सिलाट खेल में मप्र की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। रीना वर्ल्ड पुलिस फायर गेम्स में एक स्वर्ण तथा एक रजत प्राप्त करके हमारे देश व मध्यप्रदेश को गौरवांवित कर चुकी हैं। रीमा गुर्जर बहुमुखी प्रतिभा की धनी हैं। वह कराते के साथ-साथ पेंचक सिलाट खेल में भी माहिर हैं। फिलहाल वह अभय श्रीवास और पंकज परसार से प्रक्षिक्षण ले रही हैं।रीना 2009 से कराते अकादमी में बोर्डिंग खिलाड़ी थीं। उन्होंने कराते अकादमी में सेंसाई जयदेव शर्मा के प्रशिक्षण में अभ्यास कर रही थीं तथा

2012 में उनका मध्यप्रदेश पुलिस विभाग में चयन हो गया था। तब से रीना गुर्जर मध्यप्रदेश पुलिस टीम से कई पदक प्राप्त कर चुकी हैं। इन्हें गोल्डन गर्ल के नाम से भी जाना जाता है। रीना गुर्जर वर्तमान में खेल युवा कल्याण विभाग के तहत कराते अकादमी में स्वयं भी अभ्यास करती हैं तथा बच्चों को भी प्रशिक्षण दे रही हैं।पुलिस विभाग में कार्यरत हैंरीना ने पिछले दिनों कनाडा में आयोजित वर्ल्ड पुलिस फायर गेम्स में कराते प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था। इसके साथ-साथ उन्होंने एक अन्य स्पर्धा में रजत पदक भी हासिल किया था। रीना मूलतः नरसिंहगढ़ की निवासी हैं और पिछले 11 वर्षों से मध्य प्रदेश पुलिस में पदस्थ हैं। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा स्थानीय शासकीय कन्या उमावि में पूरी की थी। इसके बाद उनका मध्य प्रदेश पुलिस में चयन हो गया था।

50 सीसीटीवी खंगाले, नहीं मिला स्कूटर की डिग्गी से 63 हजार रुपये निकालने वाले का सुराग

भोपाल, । राजधानी में स्कूटर, कार आदि वाहनों से सामान चुराने वाले बदमाश लगातार सक्रिय होकर वारदात कर रहे हैं। इसके बावजूद पुलिस इन्हें पकड़ पाने में नाकाम है। कई मामलों में तो पुलिस आरोपितों का सुराग तक नहीं तलाश पाती। ऐसी ही एक घटना कोलार इलाके में हुई, जहां एक पेट्रोल पंप संचालक के स्कूटर से 63 हजार रुपये चोरी हो गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपित की तलाश के लिए 24 घंटे में करीब 50 सीसीटीवी खंगालकर रूटमैप बनाने की कोशिश की, लेकिन आरोपित को कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस ने मामले की जांच के लिए दो टीमें बना दी हैं। एक टीम सीसीटीवी फुटेज जैसे तकनीकी साक्ष्य ढूढ़ रही है और दूसरी टीम पुराने बदमाशों की जानकारी जुटा रही है।हम बता दें कि राजहर्ष कोलानी निवासी 59 वर्षीय हरिओम चौरसिया इनायतपुर में पेट्रोल पंप संचालित करते हैं। वह रोजाना पेट्रोल पंप में ईंधन की ब्रिकी की रकम को उसी दिन बैंक में आनलाइन मशीन के द्वारा जमा कर देते हैं। इसी तरह से वह 18 अक्टूबर को रकम जमा करने जा रहे थे। रात के करीब सवा आठ बज रहे थे। 63 हजार रुपये उन्होंने स्कूटर की डिग्गी में रख लिए थे और रास्ते में वह एक प्रसाद की दुकान पर सामान खरीदने के लिए रुक गए थे। दुकान थोड़ी दूरी पर थी तो वह स्कूटर खड़ा रास्ते पर खड़ा कर चले गए। थोड़ी देर बाद वापस लौटे और स्कूटर लेकर आगे बढ़ गए

इंजीनियरिंग कालेजों में अंतिम चरण में 5391 प्रवेश, अब भी खाली

भोपाल तकनीकी शिक्षा संचालनालय (डीटीई) द्वारा इंजीनियरिंग कालेजों में खाली सीटों को भरने के लिए एक अतिरिक्त चरण की काउंसलिंग प्रक्रिया और चलाई गई। डीटीई ने 20 अक्टूबर तक विशेष चरण चलाकर प्रवेश बढ़ाने का प्रयास किया था। इस चरण में कुल सीटों में से मात्र 5391 प्रवेश हुए हैं। इस तरह 20 कोर्सों की 2.47 लाख सीटों में से करीब 1.45 लाख सीटों पर प्रवेश हुए हैं, जबकि करीब 1.02 लाख सीटें खाली हैं।इस चरण में इंजीनियरिंग में मात्र 710 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। कुल मिलाकर इंजीनियरिंग की सभी ब्रांचों में 40,424 प्रवेश हुए। करीब 30 हजार सीटें खाली रह गई हैं। हालांकि बीई में पिछले वर्ष की अपेक्षा तीन हजार अधिक प्रवेश हुए हैं। पिछले साल बीई में 37 हजार 886 प्रवेश हुए थे।बता दें,

कि डीटीई ने प्रवेश के लिए 17 से 20 अक्टूबर तक स्पेशल राउंड चलाकर प्रवेश बढ़ाने का प्रयास किया था। डीटीई इसमें ज्यादा सफल नहीं हुआ है। विभाग ने इससे पहले 30 जून से काउंसलिंग शुरू की थी। दो मुख्य राउंड के साथ एक सीएलसी राउंड चलाया गया था।एमबीए की करीब 27 हजार सीटें खाली रह गईवहीं कुल सीटों की बात की जाए तो इस चरण में मात्र 5391 प्रवेश हुए हैं। एमबीए में सर्वाधिक 2900 एडमिशन हुए। प्रदेश में एमबीए की 67,946 सीटे हैं। इनमें से 40,325 सीटों पर प्रवेश हुए हैं, जबकि 27621 सीटें खाली हैं। हालांकि बीई व बीटेक की सीटें ज्यादा खाली नहीं है, लेकिन आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस सहित कई कंप्यूटर से जुड़े नए पाठ्यक्रम शुरू होने के कारण इस बार एमबीए में कम प्रवेश हुए हैं। क्वालिफाइंग राउंड में 16,833 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। वहीं बी फार्मेसी व डी फार्मेसी की कुल 26,540 सीटों में करीब 21,153 सीटें भरी हैं और पांच हजार सीटें खाली रह गई हैं।

सिंधिया के बेटे ने दिए राजनीति में आने के संकेत, बताया अपने भविष्य का प्लान

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे महाआर्यमान सिंधिया के राजनीति में आने की अटकलें लगती रही हैं। अब फिर उन्होंने राजनीति में आने के संकेत दिए हैं। उन्होंने पीटीआई को दिए इंटरव्यू में भविष्य की प्लानिंग के बारे में बात की है। महाआर्यमान सिंधिया का कहना है कि राजनीति में उनके प्रवेश के दरवाजे बंद नहीं हुए हैं और वे किसी स्तर पर इसमें शामिल हो सकते हैं। अगर वे भविष्य में यहां आते हैं, तो वे देश की राजनीति को मिलेनियल टच देना चाहेंगे और युवाओं को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। युवाओं पर ध्यान केंद्रित करने वाली राजनीति में आर्थिक लाभ भी होते हैं।27 साल के आर्यमन ग्वालियर स्थित जयविलास महल में रहते हैं। इस महल में 400 से अधिक कमरे हैं। महाआर्यमन सिंधिया की शुरुआती पढ़ाई पिता ज्योतिरादित्य सिंधिया की तरह दून स्कूल से हुई है। उसके बाद उन्होंने गेल यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन किया है। उनके पास बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप और सॉफ्टबैंक जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ काम करने का भी अनुभव है। पहले कई मौकों पर महाआर्यमन ने राजनीति में आने के सवाल पर इंकार ही किया था। सिंधिया ने परिवार की राजनीतिक वंशावली से अलग होकर स्टार्टअप में हाथ आजमाया था, जिनकी तीन पीढ़ियां सक्रिय राजनीति में रही हैं। उनके पिता नरेंद्र मोदी सरकार में केंद्रीय उड्डयन मंत्री हैं, वहीं उनके दादा स्वर्गीय माधवराव सिंधिया कांग्रेस के दिग्गज नेता थे। उनकी परदादी, विजयाराजे सिंधिया, एक प्रतिष्ठित भाजपा नेता थीं।

रूठों को मनाना हो रहा मुश्किल, कांग्रेस भाजपा में असंतोष बरकरार, विरोध प्रदर्शन जारी

कांग्रेस और भाजपा दोनों ही पार्टियों के लिए अपने रूठों को मनाना मुश्किल हो रहा है। प्रत्याशियो की सूची जारी होने के बाद नाराज दावेदारों और उनके समर्थकों में असंतोष बना हुआ है। कार्यकर्ताओं का पार्टी मुख्यालय पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन जारी है। रविवार को भी दोनों ही दलों के असंतुष्ट पार्टी वर्करों ने भोपाल स्थित भाजपा और कांग्रेस कार्यालय पहुंचकर अपनी नाराजगी व्यक्त की। इधर बढ़ते विरोध ने दोनों ही पार्टियों में शीर्ष नेताओं की नींद उड़ा दी है। दोनों ही दलों में नेता दिनभर डैमेज कंट्रोल में जुटे रहे। कांग्रेस में कमलनाथ, दिग्विजय सिंह और रणदीप सुरजेवाला ने असंतोष को खत्म करने की रणनीति बनाई। वहीं भाजपा में भूपेंद्र यादव, अश्वनी वैष्णव, वीडी शर्मा जेसे तमाम नेताओं ने रूठों को मनाने के लिए मोर्चा संभाला।

स्थानीय की मांग- *कालापीपल विधानसभा सीट*

से घनश्याम चंद्रवंशी को टिकट देकर भाजपा ने अपनी मुश्किलें बढ़ा ली हैं। यहां पर कार्यकर्ता स्थानीय प्रत्याशी को टिकट दिए जाने की मांग कर रहे हैं। नाराज कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पहुंचकर हंगामा किया। वे यहां धरने पर बैठ गए और प्रत्याशी चंद्रवंशी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ता चंद्रवंशी का टिकट बदलने की मांग पर अड़े हुए थे। उनका कहना था कि बाहरी की जगह स्थानीय नेता को टिकट दिया जाना चाहिए।

झूमर का विरोध *-इधर, कांग्रेस में भी गोविंदपुरा विधानसभा सीट से बड़ी संख्या में नेत्री दीप्ति सिंह समर्थक पीसीसी पहुंचे। उन्होंने यहां गेट के बाहर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ किया। ये सभी गोविंदपुरा सीट से रविन्द्र साहू को उम्मीदवार बनाए जाने से नाराज थे। उनका कहना था कि महिला के सामने महिला को ही टिकट दिया जाए। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि कांग्रेस ने निर्णय नहीं लिया तो आगे भी विरोध जारी रहेगा।*

वीडी शर्मा का घर घेरा- *भोपाल की दक्षिण पश्चिम विधानसभा सीट पर भी विरोध बरकार है। नाराज कार्यकर्ताओं ने आज प्रदेश वीडी शर्मा के निवास पर पहुंचकर उनका घेराव किया। उन्होंने टिकट में बदलाव किए जाने की मांग उठाई। इतना ही नहीं उन्होंने सामूहिक इस्तीफे की चेतावनी भी दी। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पूर्व मंत्री उमा शंकर गुप्ता को टिकट दिया जाए। भगवान दास सबनानी को हटाया जाए।*

बासपा ने 14 प्रत्याशी घोषित किए, मुरैना में पूर्व मंत्री के बेटे को टिकट, चुरहट में प्रत्याशी बदला

बहुजन समाज पार्टी ने आठवीं सूची के 11 नामों में मुरैना से पूर्व मंत्री रुस्तम सिंह के बेटे राकेश रुस्तम को टिकट दिया है। सेवड़ा से लाखन सिंह यादव, ग्वालियर से शत्रुधन यादव, उज्जैन उत्तर से अब्दुल रज्जाक लाला, धार से ओमप्रकाश मालवीय, भिकनगांव से जुवान सिंह, गरोठ से जगदीश रागोठा, बदनावर से जगदीश चोयल, झाबुआ से बालू सिंह निनामा, दतिया से लोकेंद्र अहिरवार, मेहंगाव से राजवीर सिंह बघेल को प्रत्याशी बनाया है। इसके अलावा नौवीं सूची में तीन प्रत्याशियों के नाम का एलान किया है। इसमें चुरहट से प्रत्याशी संतोष प्रसाद साकेत की जगह बबलू विश्वकर्मा को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, दो अन्य उम्मीदवारों में ग्वालियर ग्रामीण से सुरेश बघेल और जबेरा से विनोद राय को टिकट दिया गया है।

कांग्रेस के बागी सिद्धार्थ तिवारी को भाजपा ने दिया टिकट, गुना-विदिशा में फंसा पेंच

कांग्रेस के बागी सिद्धार्थ तिवारी को भाजपा ने बनाया उम्मीदवार

भाजपा ने पांचवी सूची जारी कर रीवा जिले की शेष चार सीटों के प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। सेमरिया विधानसभा सीट से केपी त्रिपाठी, त्योंथर से सिद्धार्थ तिवारी, मनगवां सीट से नरेंद्र प्रजापति और गुढ़ से नागेंद्र सिंह के नाम पर पार्टी ने मुहर लगाई है, जिसमें त्योंथर से प्रत्याशी बने सिद्धार्थ तिवारी कांग्रेस से बागी होकर हाल ही में बीजेपी में शामिल हुए हैं। जिनपर पार्टी ने भरोसा जताया है। वहीं, गुढ़ विधानसभा सीट से पुराने प्रत्याशी नागेंद्र सिंह को टिकट सौंपी गई है।

पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की पत्नी का छलका दर्द-भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रहे नंद कुमार सिंह चौहान के बेटे हर्षवर्धन सिंह चौहान का टिकट कटने पर उनकी पत्नी का पत्नी दुर्गेश्वरी देवी का दर्द छलका। दुर्गेश्वरी देवी ने कहा कि मेरे पति ने क्या कमी की थी पार्टी की सेवा करने में जो मुझे आज यह दिन देखना पड़ रहा है। भाजपा ने शनिवार को पांचवी लिस्ट जारी की है, जिसमें बुरहानपुर से पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस को प्रत्याशी बनाया है। लिस्ट जारी होने के बाद नंद कुमार चौहान के समर्थक बड़ी संख्या में उनके घर पहुंचे और पार्टी के फैसले का विरोध किया। नंद कुमार चौहान के बेटे हर्षवर्धन बुरहानपुर से दावेदारी पेश कर रहे थे।

शिवराज ने कमलनाथ पर फिर साधा निशाना-मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस की अंदरूनी कलह पर तंज कसा है उन्होंने कहा कि कांग्रेस कांग्रेस दशहरे से पहले ही पुतले चल रहे हैं। सीएम ने कह कि हम वादे नहीं, हम काम कर रहे हैं और जो काम कर रहे हैं, वो बता रहे हैं। लेकिन कांग्रेसी रोज झूठे वादे करते हैं, कांग्रेस ने मोहब्बत की दुकान नहीं बल्कि झूठ की दुकान खोल रखी है। मैं उनसे पूछना चाहता हूं यह दूसरा महाझूठ पत्र तो ले आए पहले वचन पत्र का क्या हुआ। कांग्रेसी महाझूठ पत्र निकाल रहे हैं, मध्यप्रदेश की जनता इन पर भरोसा नहीं करेगी।

दमोह से पूर्व विधायक उमा देवी को भाजपा ने बनाया उम्मीदवार-भाजपा ने हटा विधानसभा से पूर्व विधायक उमादेवी खटीक को पुनः प्रत्याशी बनाया है। वर्तमान विधायक पीएल तंतवाय का टिकिट काटकर उमादेवी को टिकिट दिया गया है। उमादेवी खटीक विधायक बनने के पहले शिक्षिका थीं और इस्तीफा देकर उन्होंने विधायक का चुनाव लड़ा था। तीसरी बार भाजपा ने उन्हें प्रत्याशी बनाया है।

पूर्व विधायक पंडित रमेश दुबे की टिकट कटी-पूर्व विधायक पंडित रमेश दुबे की टिकिट कटने से नाराज उनके समर्थकों ने छिंदवा6ा भाजपा कार्यालय के सामने पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया, वहीं यहां नारेबाजी करते हुए अपने इस्तीफे पार्टी कार्यालय के बाहर सौंपते हुए लखन वर्मा की टिकट रद्द करने की मांग की। रविवार को जैसे ही चौरई विधानसभा क्षेत्र से लखन वर्मा को भाजपा ने अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया, उसके बाद से ही दुबे समर्थकों में नाराजगी देखी जा रही है। लगभग 100 से ज्यादा गा?ियों का काफिला पंडित रमेश दुबे के निवास से छिंदवा?ा भाजपा कार्यालय तक पहुंचा, जहां पर पंडित रमेश दुबे के समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की, और प्रदेश संगठन के नाम अपने इस्तीफे सौंप दिए।

कांग्रेस ने शहडोल की तीनों विधानसभा के प्रत्याशी किए घोषित-कांग्रेस ने अपने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। कांग्रेस पार्टी ने ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र से रामलखन सिंह के नाम की घोषणा की है। पार्टी ने रामलखन पर पहली बार विश्वास जतया है। तो वहीं, जिले की सबसे अहम विधानसभा जयसिहंनगर विधानसभा से पार्टी ने पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष नरेंद्र मरावी को उम्मीदवार बनाया है। जैतपुर विधानसभा से कांग्रेस पार्टी ने वर्तमान में जनपद अध्यक्ष उमा धुर्वे को एक बार फिर पार्टी ने मौका दिया है। उमा धुर्वे को इसके पहले भी यहां से उम्मीदवार घोषित किया था, जिसमें उन्हें हार का सामना करना प?ा था, लेकिन पार्टी ने एक बार फिर मौका दिया है। पत्रकारों से चर्चा के दौरान तीनों विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस उम्मीदवारों ने बिजली, पानी, स?क के मुद्दों को लेकर जनता के सामन वोट मांगने जाएंगे, वहीं, कांग्रेस के तीनों प्रत्याशियों ने भाजपा को आ? हाथों लेते हुए इस बार अपने विधानसभा क्षेत्र के साथ-साथ प्रदेश के उखा? फेकने का दावा किया, साथ ही प्रचंड बहुमत से प्रदेश में सरकार बनाने की बात कही है।

ब्यौहारी से शरद पर भाजपा ने फिर जताया भरोसा-कांग्रेस के बाद शनिवार को भाजपा ने अपनी पांचवी सूची जारी कर दी गयी। जिसमें जिले की एक मात्र बची हुई ब्यौहारी विधान सभा सीट से एक बार फिर शरद कोल को चुनावी मैदान में उतारा हैं। अब तक इस सीट को लेकर भाजपा मे विचार मंथन चल रहा था। लेकिन कांग्रेस द्वारा यहां से प्रत्याशी की घोषणा के बाद भाजपा ने भी शनिवार को उम्मीदवारों की पांचवी सूची जारी कर दी। जिसमें जिले की शेष बची एक मात्र सीट से एक बार फिर वर्तमान विधायक पर भरोसा जाताते हुए उन्हें चुनावी मैदान में उतारा हैं। हालांकि अब तक इस सीट को लेकर भाजपा में अटकलों का दौर चल रहा था। जिस पर अब पूर्णतः विराम लग गया। इस सीट पर मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के साथ साथ आम आदमी पार्टी व गोंगपा के दावेदार भी चुनावी रण में भागीदार होंगे।

पहले दिन 20 प्रत्याशियों ने भरे नामांकन-मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में नामांकन की अधिसूचना जारी होने के बाद पहले दिन 20 नामांकन आए। प्रदेशभर में शनिवार को 17 अभ्यर्थियों ने अपना फार्म जमा किया है। जहां विधानसभा सीट खुरई से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी मंत्री भूपेंद्र सिंह ने दो नामांकन फार्म जमा किए। वहीं चित्रकूट विधानसभा सीट से वर्तमान विधायक कांग्रेस उम्मीदवार नीलांशु चतुर्वेदी ने तीन नामांकन भरे। मंत्री भाजपा प्रत्याशी तुलसी सिलावट ने भी सांवेर विधानसभा सीट से नामांकन दाखिल कर दिया है। इनके साथ ही भाजपा उम्मीदवार राजकुमार मेव ने महेश्वर और शिव नारायण सिंह ने बांधवगढ़ से फॉर्म भरा है। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी निशंक जैन ने बासौदा, योगेंद्र सिंह बाबा ने लखनादौन से नामांकन दाखिल किया है। भाजपा और कांग्रेस के अभ्यार्थियों के अलावा समाजवादी पार्टी, अन्य दल और निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी नामांकन जमा किए हैं। पहले दिन भाजपा के 4 और कांग्रेस के 3 उम्मीदवारों ने नामांकन कर दिया है।

कांग्रेस के बागी सिद्धार्थ तिवारी को भाजपा ने दिया टिकट, गुना-विदिशा में फंसा पेंच-मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को अपनी पांचवी सूची जारी कर दी है। इस सूची में 92 नामों की घोषणा की गई है। इसमें 12 महिला हैं। चुनाव केंद्रीय समिति की बैठक में शेष 94 नामों पर चर्चा हुई थी। इसके बाद ये सूची जारी की गई। बता दें कि गुना और विदिशा से भाजपा ने नाम रोके हैं। प्रदेश की 227 सीटों पर मुकाबला लॉक हो गए हैं। बता दें, भाजपा अब तक कुल 228 नाम पर मुहर लगा चुकी है। 2 सीटों पर नामों का एलान होना बाकी है। गौरतलब है कि भाजपा ने 17 अगस्त को पहली सूची जारी की थी। इसमें 39 नाम थे। फिर दूसरी सूची में भी 39 नाम सामने आए थे। इसमें तीन केंद्रीय मंत्री समेत सात सांसदों को टिकट दिए थे। इस सूची में तीन विधायकों के टिकट काट दिए थे। तीसरी सूची में एक नाम था। चुनावों की तारीख घोषित होते ही भाजपा ने चौथी सूची जारी की थी। चौथी सूची में भाजपा ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत 25 मंत्रियों को टिकट दिए थे। 57 प्रत्याशियों की इस सूची में सभी वर्तमान विधायकों को टिकट दिए गए।

ग्वालियर में कांग्रेस व भाजपा को पुराने चेहरों पर भरोसा

ग्वालियर । भाजपा की पांचवीं सूची शनिवार शाम को जारी होने के साथ ही जिले की छह विधानसभा सीटों पर तस्वीर साफ हो गई है। दोनों दलों ने पुराने चेहरों पर विश्वास जताया है। भाजपा ने ग्वालियर पूर्व से कांग्रेस प्रत्याशी डा. सतीश सिकरवार के सामने एक चुनाव का गैप देने के बाद 73 वर्ष की महल से जुड़ी पूर्व मंत्री माया सिंह को चुनावी समर में उतारा है, जबकि दक्षिण विधानसभा से काफी खींचतान के बाद अपने परंपरागत उम्मीदवार पूर्व मंत्री नारायण सिंह की उम्मीदवारी घोषित की है। कांग्रेस और भाजपा ने

एक-एक चेहरा मैदान में उतारा है। विधानसभा से पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा का टिकट काटकर सिंधिया से जुड़े मोहन सिंह राठौर को उम्मीदवार बनाया है। महापौर चुनाव में अनूप मिश्रा की गतिविधि व दक्षिण विधानसभा से ही चुनाव लड़ने का ऐलान करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के भांजे को फिलहाल संगठन ने घर बैठा दिया है।

नारायण सिंह कुशवाह
भाजपा प्रत्याशी
उम्र- 63 वर्ष, शिक्षा-12 वीं पास
नारायण सिंह कुशवाह भाजपा के जमीन से जुड़े कार्यकर्ता हैं। दक्षिण विधानसभा से तीन बार चुनाव जीत चुके हैं। एक बार अल्पमत से चुनाव हारे थे। शिवराज मंत्री मंडल राज्य मंत्री भी रह चुके हैं।
ताकतःसमाज का वोट बैंक
कमजोरीःअंतरिक कलह के बाद मिला है टिकट, भितरघात की आशंका

दक्षिण प्रवीण पाठक
कांग्रेस प्रत्याशी
उम्र- 41 वर्ष शिक्षा- स्नातक
पहली बार में ही विधायक बने। सुरेश पचौरी के साथ पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के नजदीकी माने जाते हैं।
ताकतः एक साल पदयात्रा कर युवाओं को जोड़ा
कमजोरीः कांग्रेसियों से कोई जुड़ाव नहीं, भितरघात का डर भी है।

ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र
प्रद्युम्न सिंह तोमर
भाजपा प्रत्याशी
उम्र- 55 वर्ष शिक्षा- स्नातक
2008 में पहली बार विधायक बने। 2013 में चुनाव हारे, और 2018 में फिर चुनाव जीते। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के नजदीकी हैं। कमल नाथ सरकार में ऊर्जा मंत्री बने। सिंधिया के साथ कांग्रेस छोड़ी। उपचुनाव जीतकर विधायक बने और शिवराज सरकार फिर ऊर्जा मंत्री बने
ताकतः मतदाताओं से सीधा जुड़वा
कमजोरीःभितरघात से डर

सुनील शर्मा
कांग्रेस प्रत्याशी
उम्र- 57, शिक्षा- स्नातक
कांग्रेस में रहते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ महल से जुड़े रहे, किंतु सिंधिया के कांग्रेस छोड़ने पर विचारधारा के साथ ही रहे। इसका इनाम भी मिला और उपचुनाव में कांग्रेस ने टिकट दिया किंतु हार गये। एक बार फिर से कांग्रेस ने उनमें विश्वास जताया है।
ताकत:30 वर्षों से क्षेत्र में सक्रिय
कमजोरीः कांग्रेसियों का विरोध

भितरवार विधानसभा क्षेत्र
मोहन सिंह राठौड़
भाजपा प्रत्याशी
उम्र- 59 वर्ष शिक्षा- स्नातक
कांग्रेस से राजनीति शुरु की। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के नजदीकी हैं। कांग्रेस में ग्रामीण कांग्रेस के तीन बार अध्यक्ष रहे। सिंधिया के भाजपा में शामिल होने पर भाजपा में आए गए। पहली बार भाजपा ने भितरवार से उम्मीदवार बनाया है।
ताकत:सिंधिया का खुला समर्थन
कमजोरी: क्षेत्र के लोगों से सीधा जुड़ाव नहीं।

लाखन सिंह
कांग्रेस प्रत्याशी
उम्र- 59 शिक्षक- बीएससी
बसपा से राजनीति में कदम रखा। 1990 में पहला चुनाव लड़े, हारे। 1998 में गिर्द से चुनाव लड़े और कांग्रेस के दिग्गज बालेंदु शुक्ला को पराजित किया। बसपा से चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस में शामिल हुये। उसके बाद 2008,2013, व 2018 में भितरवार का प्रतिनिधित्व किया। कमल नाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री बने।
ताकत:क्षेत्र में सक्रियता
कमजोरी: लगातार प्रतिनिधित्व के कारण लोगों की नाराजगी भी बढ़ी है।

ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र
भारत सिंह कुशवाह
भाजपा प्रत्याशी

उम्र 53 वर्ष शिक्षा- 10वीं पास
शिवराज सरकार उद्यानिकी एवं खाद्य प्रस्संकरण राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) का दायित्व संभाला। 2018 में पहला विधानसभा चुनाव ग्वालियर ग्रामीण से लड़े, बसपा के साहब सिंह गुर्जर को 1500 वोटों से अंतर पराजित किया। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के नजदीकी हैं।
ताकत - क्षेत्र में किये गये विकास कार्य
कमजोरी- व्यवहार से सभी वर्ग संतुष्ट नहीं

साहब सिंह गुर्जर
कांग्रेस प्रत्याशी
उम्र- 52 वर्ष शिक्षा- स्नातक
मूल रूप से कांग्रेसी हैं। सिंधिया से जुड़े थे। किंतु 2018 के विधानसभा टिकट के दावेदार थे। टिकट मदन कुशवाह को मिला। बगावत कर चुनाव लड़े। और दूसरे नंबर रहे। वर्तमान में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के नजदीकी हैं।
ताकत- क्षेत्र में सक्रियता को निरंतर बनाये रखा
कमजोरी- गुर्जर समाज की तोड़फोड़ से सामान्य वर्ग की नाराजगी

डबरा अजा विधानसभा क्षेत्र
इमरती देवी -
भाजपा प्रत्याशी

उम्र- 48 वर्ष शिक्षा - हायर सेकेंडरी
केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के नजदीकी हैं। परिसीमन के बाद डबरा सीट आरक्षित होने पर 2008 में विधानसभा चुनाव जीत कर पहली बार विधायक बनीं, 2013 व 2018 में भी जीतीं कांग्रेस सरकार बनने में महिला बाल विकास मंत्री का दायित्व संभाला। सिंधिया के साथ कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुईं। उपचुनाव लड़ी। और पराजित हुईं। अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहती हैं।
कमजोरी- भाजपा के मूल कार्यकर्ताओं की दूरी
ताकत- सादगी और खुलापन

सुरेश राजे -
कांग्रेस प्रत्याशी
उम्र-63 वर्ष शिक्षा- आठवीं पास
राजनीति की शुरुआत भाजपा से की। प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के नजदीकी रहे। 2013 में भाजपा से चुनाव लड़े और हार गये। उसके बाद कांग्रेस में शामिल हुये। 2020 उपचुनाव कांग्रेस से उपचुनाव लड़े। और ईमरती देवी को पराजित किया। वर्तमान में पूर्व मुख्यमंत्री के दिग्विजय सिंह के नजदीकी हैं।
कमजोरी- चुनाव से पहले आपत्तिजनक सीडी वायरल हुई
ताकत- सादगी और किसी खींचतान की राजनीति से दूरी

ग्वालियर पूर्व
माया सिंह

भाजपा प्रत्याशी
उम्र-73वर्ष, शिक्षा- एमए
महल की राजनीति से जुड़ी माया सिंह को 2013 के विधानसभा चुनाव के बाद मैदान में उतारा है। माया सिंह राज्यसभा सदस्य के अलावा शिवराम मंत्री मंडल में कैबिनेट मंत्री रह चुकी हैं, इसके अलावा संगठन में कई पदों पर कार्य कर चुकी है।
ताकत- महल से जुड़ा है नाम
कमजोरी- पांच वर्ष से क्षेत्रीय लोगों से संपर्क टूटा हुआ है

डा. सतीश सिकरवार
कांग्रेस प्रत्याशी
- उम्र- 53 वर्ष शिक्षा पीएचडी
भाजपा से राजनीति शुरु की। 1999 तीन बार पार्षद रहे। एक बार निर्विरोध पार्षद जीते। 2018 में भाजपा से विधानसभा चुनाव लड़े। और हार गये। उपचुनाव में भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुये। और 2020 में उपचुनाव जीतकर विधायक बने।
ताकत- अनुसूचित वर्ग का समर्थन
कमजोरी- राजनीतिक दुश्मन की सक्रियता

दशहरा से पहले बाजार में बूम, इलेक्ट्रोनिक-कपड़ा बाजार में रौनक

ग्वालियर(नप्र)। दशहरा से पहले बाजार में बूम आ चुका है। दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ बता रही है कि इस बार दीपावली अच्छी जाने वाली है। व्यापारियों का कहना है कि इस बार नवरात्र में जमकर बिक्री हुई। दशहरा भी अच्छा रहेगा और उससे भी अच्छा इस बार धनतेरस रहने वाला है। इसलिए व्यापारियों ने माल का स्टाक करना शुरू कर दिया है। दशहरा से ठीक तीन दिन पहले कपड़ा, इलेक्ट्रोनिक, कास्मेटिक, बर्तन, सजावट का सामन की बिक्री बढ़ चुकी है। हालात यह है कि दशहरा के बाद आने वाला करवाचौथ को लेकर महिलाओं ने खरीदारी शुरू कर दी है, जिसको लेकर बाजार में बूम आ चुका है। बिक्री बढ़ने से व्यापारियों के चेहरे खिल गए हैं।

इलेक्ट्रोनिक सामान की बढ़ी बिक्री-दुकानदारों का कहना है कि काफी सारे लोगों ने नवमी और दसवीं के लिए टीवी, फ्रीज, वाशिंग मशीन की बुकिंग कर रखी है। इस बार स्मार्ट टीवी और आटोमेटिक वाशिंग मशीन की बिक्री अधिक हो रही है। बर्तन कारोबार

में भी तेजी आ चुकी है, लेकिन इस बार स्टील के साथ-साथ लोहे और एल्यूमीनियम, तांबे के बर्तन की बिक्री बढ़ गई है।

कपड़ा बाजार में बूम-नवरात्र के बाद दशहरा फिर दीपावली, लगातार त्योहार है। इस बार लोगों ने नवरात्र से ही कपड़ा खरीदना शुरू कर दिया। त्योहार के हिसाब से लोग अपनी-अपनी पसंद के कपड़ा खरीदने के लिए दुकान से लेकर शोरुम तक पहुंच रहे हैं। इस वक्त गृहणियां जहां करवाचौथ को लेकर साड़ी, लहंगा और सूट पसंद कर रही है तो वहीं पुरूषों में कुर्ता पायजामा की मांग बढ़ी है। लोग खादी के साथ डिजाइनर कुर्ता पायजामा पसंद कर रहे हैं, इसके अलावा हाफ जैकट और गर्म कपड़े की रेंज भी दुकानों पर सज चुकी है। लोग आने वाले दिनों में ठंड के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए पसंद भी कर रहे हैं, लेकिन इस वक्त सबसे ज्यादा खरीदारी दशहरा और करवाचौथ को लेकर की जा रही है।

ज्वेलरी-कास्मेटिक की मांग-हर्षा कास्मेटिक की संचालक हर्षा चौरसिया का कहना है कि इन दिनों करवा चौथ को लेकर महिलाएं आर्टिफिशियल ज्वेलरी की भी खूब खरीदारी कर रही है। बाजार में तरह-तरह की डिजाइनर ज्वेलरी आ चुकी है। महिलाएं डायमंड ज्वेलरी से लेकर मैचिंग की ज्वेलरी की खरीदारी कर रही हैं। इसी तरह से कास्मेटिक की बिक्री भी बढ़ गई है। महिलाएं करवा चौथ से पहले ही पूरी तैयारी करने के लिए आफलाइन और आनलाइन खरीद कर रही है। इन सामान की बिक्री बढ़ी- घर के सजावट का सामान की बिक्री बढ़ गई है। इसी तरह से बेड सीट, पिलो कवर, पर्दे, पैरदान, लैंप, झालर आदि की बिक्री बढ़ चुकी है। बाजार में पोस्टर, सीनरी, गमले, आदि की खरीद भी बढ़ गई है।नवरात्र और दशहरा में जो बाजार चल रहा है उससे ज्याद बूम 31 अक्टूबर के बाद राहु व केतू की दशा बदलने पर आएगा। इस बार व्यापारियों की दीपावली अच्छी रहेगी, क्योंकि दीपावली 12 अक्टूबर की है और उससे पहले पहले सभी कर्मचारियों के खाते में सेलरी पहुंच चुकी होगी जो बाजार में तेजी लाएगा।

कांग्रेस प्रत्याशी सतीश सिकरवार की गाड़ी, दुर्घटनाग्रस्त, सुरक्षित

ग्वालियर. ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी सतीश सिकरवार का वाहन मुरैना में देवरी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में सतीश सिकरवार बाल बाल बच गए और सुरक्षित हैं। लेकिन इस हादसे की खबर के बाद उनके समर्थकों में चिंता में आ गए। सतीश सिकरवार ने वीडियो जारी कर सभी को आश्वस्त किया कि वे ठीक हैं और उन सबके बीच में ही हैं।घटनाक्रम के मुताबिक कांग्रेस प्रत्याशी सतीश सिकरवार खाटू श्याम दरबार में हाजिरी लगाने गए थे। जब वे वहां से लौट रहे तो मुरैना के देवरी गांव के पास उनका वाहन अचानक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हालांकि वाहन क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन सतीश सिकरवार व उनके साथ के लोग सुरक्षित बच गए। लेकिन इस हादसे की खबर पाकर कांग्रेस नेताओं, समर्थकों व उनके परिवार के लोगों को चिंता हुई। लेकिन सतीश सिरकवार ने वीडियो जारी किया और उसे इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि वे सुरक्षित हैं। हालांकि लोग यह जानने के लिए जुट गए कि दुर्घटना कैसे हुई।

पिता की याद में ग्वालियर में फरवरी में करूंगा म्यूजिक शो

ग्वालियर.। मेरे पिता श्रीमुकेश का जन्म 22 जुलाई 1923 को हुआ था। उनका यह जन्म शताब्दी वर्ष है। इस अवसर पर मैं देश-दुनिया में म्यूजिकल शो कर रहा हूं। बाम्बे में शो के बाद अब दिल्ली, अहमदाबाद में करने जा रहा हूं। फरवरी 2024 में मैं तानसेन की नगरी ग्वालियर में म्यूजिकल शोकरूंगा। यह कहना है पार्श्व गायक एवं सिंधिया स्कूल से पढ़े नितिन मुकेश का। वह सिंधिया स्कूल के स्थापना दिवस में शामिल हुए। उनके नाम का जिक्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मंच से किया।

आज के गानों में अपने आपको असहज पाता हूं-एक सवाल के जवाब में नितिन मुकेश ने कहा कि एक दौर था, जब मैंने खूब गाने गाए, लेकिन आज के गानों से अपने आपको असहज पाता हूं। समय के साथ चीजें बदली हैं, मांग बदली है, उसी थीम पर फिल्म डायरेक्टर काम कर रहे हैं, जो मुझे कम पसंद है। यही कारण है कि लम्बे समय से मैंने गाना नहीं गाया। यदि अच्छे और साफ छवि वाले गाने मिलेंगे तो मैं आज भी गाने को तैयार हूं। इन दिनों मैं डिवोशनल सांग पर काम कर रहा हूं। मेरे एलबम भी आने वाले हैं।

युवाओं के पास करियर के मौके- पिता की याद में ग्वालियर में फरवरी में करूंगा म्यूजिक पिता की याद में ग्वालियर में फरवरी में करूंगा म्यूजिक शोआज युवाओं के पास करियर बनाने के काफी मौके हैं। एक समय केवल फिल्में हुआ करती थीं, लेकिन आज कई ऐसे प्लेटफार्म हैं, जहां वे अपना टैलेंट दिखाकर अर्निंग कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि अपने आपको पहचानें, अपनी क्षमता को जाने फिर आगे का मार्ग तय करें।

टिकट कटा तो मुन्ना-अनूप समर्थकों ने किया हंगामा

ग्वालियर, भाजपा की पांचवी सूची जारी होते ही ग्वालियर पूर्व और दक्षिण में टिकट दावेदारों मुन्नालाल गोयल और अनूप मिश्रा के समर्थकों ने हंगामा खड़ा कर दिया। मुन्ना समर्थक बारादरी चौराहे पर एकत्रित हुए नारेबाजी करने लगे। इधर अनूप मिश्रा के घर पहुंचे समर्थकों ने विरोध जताते हुए नारेबाजी की। टिकट कटने से नाराज मुन्नालाल गोयल ने कहा, मुझे पार्टी से वफादारी का ईनाम मिला है। मैं तो 2023 तक विधायक रहता और आगे भी जीतता। वहीं अनूप मिश्रा का कहना है कि उनके साथ पार्टी ने ठीक नहीं किया है। इसका खमियाजा भी पार्टी ही भुगतेगी। मैं तो पार्टी का सिपाही हूं। बता दें, ग्वालियर पूर्व से टिकट बदलने की मांग को लेकर मुन्ना लाल समर्थक रविवार की सुबह नौ बजे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात करेंगे। कार्यकर्ताओं को इरादा महल गेट पर धरना देने का भी है। मुन्नालाल गोयल का कहना है कि कार्यकर्ता पिछले साढ़े तीन साल से मेहनत कर रहा है। पार्टी के फैसले से निराश है।

नाराज जयसिंह ने संगठन के पदों से इस्तीफा दिया-ग्वालियर पूर्व से माया सिंह की उम्मीदवारी से नाराज होकर साडा के पूर्व अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के नजदीकी जय सिंह कुशवाह ने प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य व जिले के प्रभारी पद से इस्तीफा दे दिया है। जयसिंह का आरोप है कि एक परिवार को संगठन ने 12 वीं बार टिकट दिया है। ग्वालियर पूर्व के शेष कार्यकर्ता क्या करेंगें? आगे की रणनीति पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर तय करेंगे। भाजपा जिला उपाध्यक्ष रामेश्वर भदौरिया भी ग्वालियर पूर्व से टिकट मांग रहे थे। पिछले तीन माह से क्षेत्र में सुंदरकांड का पाठ कराकर क्षेत्र में सक्रिय थे।

क्यों कटे अनूप और समीक्षा के टिकट

ग्वालियर. । दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवारी को लेकर भाजपा का आंगन पहले से ही दंगल बना हुआ था। टिकट को लेकर पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा, पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता के बीच त्रिकोणीय संघर्ष की स्थिति बनी हुई थी। इस त्रिकोणीय संघर्ष में नारायण सिंह पार्टी का विश्वास जीतने में कामयाब हुये हैं। संगठन ने दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से उनकी उम्मीदवारी घोषित की है। माना जा रहा है कि पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा के बड़े बोल उन पर ही भारी पड़ गये हैं। दूसरी तरफ पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता के 2018 के विधानसभा चुनाव में पार्टी के निर्णय खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ना उनकी बड़ी चूक साबित हुआ है। दक्षिण से ही चुनाव लड़ूंगा- चुनाव से पहले अनूप मिश्रा ने सार्वजनिक रूप से संगठन को बगैर विश्वास में लिये स्वयं ही ऐलान कर दिया था कि वे दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा महापौर के चुनाव में संगठन का वचनपत्र जारी करते समय सम्मान पूर्वक सीट नहीं मिलने पर अनूप मिश्रा ने हंगामा कर दिया था। उसी समय से प्रदेश नेतृत्व ने उन्हें साइड

लाइन कर दिया था। नारायण सिंह के टिकट में प्लस प्वांट यह रहा है कि वे इस विधानसभा से लगातार तीन बार प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और पिछला चुनाव भी मात्र 121 वोटों से पराजित हुये थे।

कपड़ों पर मनचाही प्रिंटिंग का ट्रेंड खुद कस्टमाइज कर रहे युवा-कांग्रेस पहले अपना घर तो संभाल लें, कहीं कपड़े फट रहे हैं, तो कहीं पुतले जल रहे हैंमुख्य मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विमानतल पर मीडिया से चर्चा करते कहा कि भाजपा सरकार पर सवाल उठाने से पहले कांग्रेस अपना घर तो संभाल लें। कांग्रेस की हालत यह हो गई है कि दिल के टुकड़ें हुये हजार, कुछ यहां गिरे तो कुछ वहां गिरे। खरगे ने कमल नाथ को टिकिट बांटने की फ्रेंचाइजी दे दी। इससे हालत यह हो गई है कि कपड़े फट रहे हैं। पुतले जल रहे हैं। उन्होंने कहा कि तमाम दलों के मिलकर हुये गठबंधन को कमल नाथ ही तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। पहले उनकी बैठक प्रदेश में नहीं होने दी। अब अखिलेश यादव के संबंध में उल्टा सीधा बोल रहे हैं।

सिंधिया के समझाने पर भी नहीं माने कार्यकर्ता लेट गए कार के सामने, बचकर निकले केंद्रीय मंत्री

ग्वालियर. । ग्वालियर पूर्व से मुन्नालाल अग्रवाल का टिकट कटने के बाद उनके समर्थक

सिंधिया के समझाने पर भी नहीं माने कार्यकर्ता, लेट गए कार के सामने, बचकर निकले केंद्रीय मंत्री

रविवार सुबह केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के सिंधिया महल के सामने धरना देने के लिए सुबह नौ बजे पहुंच गए। करीब तीन घंटे बाद सिंधिया अपने महल से निकले और कार्यकर्ताओं से बात करने लगे। सिंधिया ने कहा कि वे पार्टी के नेताओं से बात करेंगे। लेकिन उनकी बात को सुनने के लिए कार्यकर्ता तैयार नहीं हुए। वे उनके सामने जमीन पर लेट गए। जब कार्यकर्ता नहीं माने तो सिंधिया अपनी कार में बैठकर जाने लगे। कार्यकर्ता

कार के सामने भी लेट गए। इसके सिंधिया के गार्डों के उन्हें बड़ी मुश्किल से हटाया और केंद्रीय मंत्री कार्यकर्ताओं से बचकर निकल गए।

ग्वालियर पूर्व से भाजपा से पूर्व विधायक व सिंधिया समर्थक मुन्नालाल अग्रवाल का टिकट कट गया है। टिकट कटने का विरोध मुन्नालाल व उनके समर्थकों ने किया है। रविवार सुबह मुन्नालाल अग्रवाल के समर्थक सिंधिया के महल पर पहुंच गए और मुन्ना के साथ न्याय करो के नारे लगाने लगे। प्रदर्शन को देखते हुए सिंधिया महल के दरवाजे बंद कर दिए गए। हालांकि समर्थक महल के सामने ही जमे हुए थे।

उल्लेखनीय है कि भाजपा उम्मीदवारों की पांचवी सूची जारी हुई थी। जिसमें सिंधिया समर्थक मुन्नालाल अग्रवाल का टिकट कट गया। उनकी जगह माया सिंह को भाजपा ने अपना उम्मीदवार बनाया गया। इससे मुन्नालाल व उनके समर्थक नाराज हो गए। टिकट कटने के बाद मुन्नालाल अग्रवाल ने कहा था कि मुझे वफादारी का ईनाम मिला है। समर्थकों ने रविवार को धरना देने की बात कही थी। इसलिए रविवार सुबह मुन्नालाल के समर्थक सिंधिया महले पहुंच गए और धरना देना शुरू कर दिया। इस दौरान वे नारे लगाना शुरू कर दिया।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478